

प्र.मंत्री मोदी ने हाथी (भारत) व ड्रैगन (चीन) की जो बात कही, चीन को बहुत पसंद आई

चीन के प्रवक्ता माओ निंग ने प्रैस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग पर जो सहमति बनाई है, उसका प्रशासन के हर स्तर पर क्रियान्वयन शुरू हो गया है तथा सकारात्मक (पॉजिटिव) नतीजे सामने आये हैं

—डॉ. सतीश मिश्रा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 17 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत-चीन संबंधों को लकर लैक्स फ्रीडमैन के पॉडकास्ट पर की गई टिप्पणी पर चीन ने सोमवार को "प्रसन्नता" व्यक्त की। चीन ने कहा कि हाथी और ड्रैगन का सौहार्दपूर्ण नृत्य दोनों देशों के लिये एकमात्र विकल्प है।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने बीजिंग में एक मीडिया-ब्रीफिंग के दौरान कहा, "हाल ही के महीनों में, दोनों ही पक्षों ने उनके नेताओं के बीच परस्पर बनी महत्वपूर्ण सहमति को गंभीरतापूर्वक कार्यान्वित किया है, विभिन्न स्तरों पर परस्पर आदान-प्रदान तथा क्रियात्मक सहयोग को मजबूत किया है तथा उसके कई सकारात्मक नतीजे सामने

■ प्र.मंत्री मोदी ने अमेरिकी पॉडकास्टर, लैक्स फ्रीडमैन से बातचीत में इस सहयोग के नृत्य की बात कही थी।

■ मोदी ने कहा था कि यह ऐतिहासिक तथ्य है कि चीन व भारत ने हमेशा एक दूसरे से काफी कुछ सीखा है तथा दोनों के संबंध बहुत मजबूत रहे हैं, जिनका आधार गहरे सांस्कृतिक संबंध हैं तथा इतिहास गवाह है कि भारत व चीन का विश्व की कुल जीडीपी में पचास प्रतिशत का योगदान होता था।

आये हैं।"

अमेरिकन पॉडकास्टर लैक्स फ्रीडमैन के साथ हुई बातचीत में, मोदी ने उन प्रयासों का उल्लेख किया, जो यह सुनिश्चित करने के लिए किये जा रहे हैं कि दोनों देशों के बीच के मतभेद बढ़कर संघर्ष का रूप नहीं लें तथा परस्पर संवाद कूटनीतिक उपायों का मुख्य अंग बना रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने लैक्स फ्रीडमैन को बताया, "अगर आप सदियों के इतिहास पर नजर डालें (तो पाएंगे कि) भारत और चीन एक-दूसरे से सीखते रहे हैं। दोनों ने मिलकर सदेव ही किसी न किसी रूप में, विश्व-कल्याण में योगदान दिया है। पुराने रिकॉर्ड बताते हैं कि एक समय, केवल भारत और चीन की जीडीपी मिलकर,

विश्व की जीडीपी के 50 प्रतिशत से ज्यादा थी। यह भारत का कितना बड़ा योगदान था और मेरा मानना है कि हमारा जुड़ाव बहुत ही मजबूत है, हमारे सांस्कृतिक संबंध बहुत गहरे हैं।"

उन्होंने कहा, "संवाद उस स्थायी तथा सहयोगपूर्ण संबंध के निर्माण की कुंजी है, जिसमें दोनों ही देशों की भलाई एवं लाभ निहित है।"

निंग ने कहा, "हम चीन-भारत संबंधों पर प्रधानमंत्री मोदी की हाल ही की सकारात्मक टिप्पणियों की कद्र करते हैं। पिछले अक्टूबर में राष्ट्रपति शी जिनपिंग तथा प्रधानमंत्री मोदी के बीच कजान में बड़ी सफल मीटिंग हुई थी तथा उस मीटिंग ने चीन-भारत संबंधों को सुधारने तथा विकसित करने के लिए कूटनीतिक मार्गदर्शन प्रदान किया था।"

विश्व टॉप 50
युनिवर्सिटीज़ में
भारत की नौ

—सुकुमार साह—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 17 मार्च। उच्चशिक्षा का वैश्विक परिदृश्य भारी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। एशियाई खासकर भारतीय संस्थानों को प्रमुखता मिल रही है। पारम्परिक तौर पर इस रैंकिंग में पश्चिमी देशों के संस्थानों का बोलबाला रहता था, लेकिन हालिया रुझान एक भारी बदलाव दर्शाते हैं।

विशिष्ट विषयों में विश्व के टॉप क्यू एस-50 में भारत के 9 संस्थान शामिल

■ भारत अब विदेशी स्टूडेंट्स को आकर्षित कर सकता है, इस रैंकिंग के कारण। इस प्रयास में मदद इससे भी मिल रही है कि अमेरिका व इंग्लैंड में उच्च शिक्षा का खर्च अब और बढ़ गया है तथा विद्यार्थी अन्य विकल्प भी ढूँढने लगे हैं।

किए गए हैं। इंजीनियरिंग, मिनरल, और माइनिंग में आईएसएम धनबाद 26 वें नम्बर पर है इसके बाद इसी श्रेणी में आईआईटी बॉम्बे 40 वें और आईआईटी खड़गपुर 45 वें नम्बर पर है। इंजीनियरिंग - इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक श्रेणी में आईआईटी दिल्ली 47 वें और आईआईटी बॉम्बे इसी श्रेणी में 50 वें नम्बर पर है। बिजनेस और मैनेजमेंट स्टडीज़ में आईआईएम (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘सैन्ट्रल स्कूल, तेलंगाना में तेलुगू,
तमिलनाडु में तमिल, कन्नड़ कर्नाटक
में, मलयालम केरल में नहीं पढ़ाते’

स्टालिन ने भाषा व डीलिटेशन के मुद्दे को,
अगले विधानसभा चुनाव की ज़मीन तैयार
करने का काम कर लिया है

■ दूसरी ओर, भाजपा, तमिलनाडु में राजनीतिक दलों के नेताओं का तोड़ने का काम बखूबी कर रही है, विशेषकर अन्नाद्रमुक के कई प्रमुख नेताओं ने भाजपा से बातचीत शुरू भी कर दी है।

■ विपक्ष में फैली यह राजनीतिक अराजकता भी स्टालिन के पक्ष में मददगार सिद्ध हो रही है। जितना विपक्ष बिखरता है, उतना ही द्रमुक को लाभ होता है, क्योंकि स्टालिन का मानना है, उसके लगातार प्रचार से भाजपा को अभिमानी, आक्रामक नॉर्थ इण्डिया का प्रतीक माना जा रहा है, जो तमिलनाडु का वाजिब शेयर, बजट में उसका हिस्सा, नहीं देता, हालांकि, साउथ इण्डिया केन्द्रीय ट्रेजरी में ज्यादा टैक्स जमा कराते हैं, नॉर्थ इण्डिया की तुलना में।

इस समय भाजपा तमिलनाडु की राजनीति में परभक्षी (प्रोडेटरी) की भूमिका निभा रही है अर्थात् वह अन्य पार्टियों के नेताओं को अपनी ओर खींच रही है। ऐसी स्थिति में, अगर उसके निशाने पर कुछ वरिष्ठ अन्नाद्रमुक नेता आते हैं तो इससे द्रमुक को ही मदद मिलेगी, क्योंकि किसी भी नेता के पार्टी छोड़ने से अन्नाद्रमुक और भी कमजोर होगा। हालांकि, भाषा और परिसीमन के मुद्दों पर भाजपा के वर्तमान अडियल

रुख के कारण, भाजपा को इससे कोई खास लाभ मिलने की संभावना तो बहुत ही कम है। यह चेन्नई के कई राजनीतिक विश्लेषकों की सुविचारित मान्यता है। और स्टालिन तो भाषा के मुद्दे पर पहले ही पूरा जोर दे रहे हैं। चूँकि उन्होंने इस मुद्दे को पूरी तरह अपना रखा है, वे तमिलनाडु के ऐसे नेता बन गये हैं, जो केन्द्र को करीब-करीब अकेले ही टक्कर दे रहे हैं। यही नहीं, वे दक्षिण (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

MARUTI SUZUKI ARENA

शानदार एरीना महीने में अविश्वसनीय ऑफ़र्स।

जल्दी कीजिए, ऑफ़र्स 31 मार्च तक।



BUY BEFORE
PRICE HIKE
OF UP TO
4%



ऑफ़र्स स्टॉक रहने तक मान्य

विशेष
ऑफ़र

SWIFT ₹58 100* | WAGONR ₹73 100*



SCAN TO
CONNECT
TO SHOWROOM
NEAR YOU



E-BOOK TODAY AT
WWW.MARUTISUZUKI.COM

3 years 100 000 km
WARRANTY**
EXTENDABLE UPTO 6 YEARS

T&C Apply Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. *Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer (wherever applicable) on selected models/variants. Above mentioned savings amount is the value of maximum savings on selected models. Offer valid with selected financiers only. **3 years or 100 000 km whichever is earlier. Above offers are valid till 31st March, 2025.

VISIT YOUR NEAREST MARUTI SUZUKI ARENA DEALERSHIP TODAY OR E-BOOK AT WWW.MARUTISUZUKI.COM | CALL 1800 102 1800

विचार बिन्दु

दूसरों के अनुभव से होशियारी सीखने की मनुष्य को इच्छा नहीं होती, उसको स्वतंत्र ठोककर चाहिए। -विनोबा

क्या चुनाव जीतना ही सब कुछ है?

देश में कुछ वर्षों से जो हो रहा है, उसे देखकर तो यह लगता है कि राजनीतिक दलों के लिए जनता एवं उसका हित कोई मायने नहीं रखता एवं उनके लिए केवल एक ही लक्ष्य है और वह है चुनाव जीतना। चुनाव जीतने के लिए यदि उन्हें अपने मूल्यों को बलि चढ़ानी पड़े या गरिमा को तार-तार करना पड़े, अथवा देश में वैमनस्य का वातावरण फैलाना पड़े तब भी कोई फर्क नहीं पड़ता है।

इसे हम कुछ उदाहरणों के माध्यम से समझने का प्रयास करेंगे।

गत कुछ दिनों से उर्दू भाषा को लेकर विवाद उत्पन्न किया जा रहा है। इसे मुसलमानों और आक्रान्ताओं की निशानी बता कर इस पर निशाना साधा जा रहा है। उर्दू को गुलामी का प्रतीक बता देने वाले यह बूल जाते हैं कि उर्दू किसी मुस्लिम देश की भाषा है ही नहीं, यह हर हिन्दुस्तानी की भाषा है। स्वतंत्रता के बाद अब पाकिस्तान और बांग्लादेश में भी उर्दू बोली जाती है। उर्दू को भारत में कई बार देवनागरी लिपि में ही लिखा जाता है। शायद ही कोई हिंदी का विद्वान होगा, जो अपने लेखन में अथवा अपने वक्तव्य में, उर्दू का प्रयोग जाने-अनजाने नहीं करता होगा। आजकल, जो लोग उर्दू का विरोध करते हुए वक्तव्य दे रहे हैं, यदि उनका विश्लेषण कर लिया जाए, तो पाएंगे कि उनमें ही उर्दू के कई शब्द शामिल हैं। उर्दू और हिंदी इस प्रकार से घुल-मिल गई है जैसे पानी में नमक अथवा चीनी घुल जाती है। हम जिस भाषा में सामान्यतः बातचीत करते हैं उनमें भी अनेक शब्द उर्दू के सम्मिलित हैं। यहां तक कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के नेता भी अपने भाषणों में कुछ उर्दू शब्दों का प्रयोग करते हैं। कई बार वे अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए उर्दू की शेरों-शायरी का उपयोग भी करते हैं। इस प्रकार जो भाषा यहां के सामान्य बोलचाल की भाषा बन चुकी है, उस पर विवाद उत्पन्न करने का उद्देश्य समाज में ध्रुवीकरण करके चुनाव जीतना ही लगता है।

भारत के शहरों और गांवों में हिंदुओं और मुसलमानों की अंतर निर्भरता इतनी अधिक है कि उन्हें एक दूसरे से अलग करना संभव ही नहीं है। विभिन्न हिंदू त्योहारों और उत्सवों पर काम आने वाली विभिन्न वस्तुओं का निर्माण मुसलमान कारीगरों द्वारा किया जाता है, चाहे वह बंबेज की साड़ी हो, लाख की चूड़ियां हो, विभिन्न प्रकार की नक्काशी का काम हो, रजाई बनाने का काम हो। अच्छी मेहंदी लगाने वाली अधिकांश लड़कियां मुस्लिम परिवारों से आती हैं। होली पर एक-दूसरे पर फेंके जाने वाले गुलाल घोंटे भी अधिकांशतया मुस्लिम ही बनाते हैं। संक्रांति के अवसर पर उड़ाने वाली पतंगें और मांझा मुस्लिम परिवारों द्वारा बनाए जाते हैं। दिवाली पर आतिशबाजी का जिम्मा भी अक्सर मुसलमानों का ही होता है। अतः, हिंदू-मुसलमानों को एक-दूसरे के विरुद्ध खड़ा करने का उद्देश्य केवल वोट पाना ही हो सकता है।

सदियों से हिंदू-मुसलमान एक ही घर के सदस्यों की तरह मिलजुल कर प्रेम से रहते आए हैं। जहां मुसलमान, नमाज पढ़ने के बाद हिंदू भाइयों के साथ आराम से होली खेलते हैं, वहीं हिंदू, ईद के अवसर पर ईदी खाने में कोई संकोच नहीं करते थे। इसी परम्परा को तो गंगा-जमनी विरासत का नाम दिया गया है। यही हर भारतीय के स्वभाव में रचा बसा है, चाहे वह हिंदू ही या मुसलमान।

इस समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को दोनों पक्षों के कुछ कट्टरपंथियों द्वारा इसलिए तोड़ा जा रहा है ताकि इसके आधार पर समाज में विभाजन किया जा सके और अपने वोटों की खेती को बढ़ाया जा सके।

हाल ही में संभल में जिस प्रकार होली के दिन मस्जिदों को ढक कर, होली का त्यौहार मनाया गया, वह सामान्य नहीं था। उसवर्ष पर रैफेड एक्शन फोर्स और सीआरपीएफ की तैनाती करने का लक्ष्य केवल सांप्रदायिक भय का वातावरण बनाकर एक-दूसरे वर्ग के प्रति दुर्भावना उत्पन्न कर चुनाव जीतना होता है। चुनाव जीतने के लिए इन तरीकों का सहारा लेने वाले यह बूल जाते हैं कि इससे होने वाला नुकसान वर्षों तक समाज को भुगताना पड़ेगा। जब समाज में इस प्रकार से शंका के बीज बोए जाएंगे, तो इसकी परिणति अंततः समाज में विभाजन को और गहरा करने के रूप में ही होगी। यह आजकल होने भी लगा है। हर छोटी-छोटी बात को साम्प्रदायिक उन्माद को बढ़ाने के लिए काम में लिया जा रहा है।

चुनाव जीतने के लिए सरकार नागरिकों के मूल अधिकारों का हनन करने से भी नहीं चूकती। उदाहरण के लिए, सूचना का अधिकार कानून इसलिए लाया गया था कि सरकार के कामकाज में पारदर्शिता आ सके और लोगों को पता लग सके कि उनसे संबंधित कार्यों को किस प्रकार किया जा रहा है। आजकल, प्रधानमंत्री की डिग्री का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। जब मुख्य सूचना आयुक्त ने डिग्री दिखाए का आदेश दिया तो उसकी पाठाना नहीं की गई। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री की कथित डिग्री को अमित शाह और अरुण जेटली द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस में सबके समक्ष दिखाया गया था। क्या न्यायालय द्वारा यह आदेश पारित नहीं किया जा सकता कि जब सार्वजनिक रूप से उनको डिग्री को स्वयं भाजपा के नेताओं ने प्रेस के समक्ष दिखा दिया तो उसकी मूल प्रति मांग ली जाए और उसका सत्यापन संबंधित विश्वविद्यालय से करा लिया जाय? यहां प्रश्न यह नहीं है कि प्रधानमंत्री को पढ़ाई कितनी हुई है? कानूनन प्रधानमंत्री बनने के लिए कोई न्यूनतम योग्यता निर्धारित नहीं है। प्रश्न केवल यह है कि क्या चुनाव के लिए फॉर्म भरते समय गलत जानकारी दी गई? जनता को वास्तविकता जानने का अधिकार तो है ही। इस बारे में स्थिति स्पष्ट करने के स्थान पर, अब सूचना के अधिकार कानून में ही संशोधन करने की बात कही जा रही है ताकि न्यायालय भी प्रधानमंत्री की डिग्री संबंधित कोई आदेश नहीं दे सके। इस कारण नागरिकों को सही जानकारी उपलब्ध कराने के स्थान पर उन्हें सूचना के

राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव जीतने के लिए तथाकथित धर्म गुरुओं और बाबाओं का भी सहारा लिया जाता है। इसके लिए चाहे बलात्कार और हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे आसाराम बापू और बाबा गुरुमीत राम रहीम को चुनाव के समय पैरोल पर ही क्यों न छोड़ना पड़े? सरकारों की यह कार्यवाही यही सिद्ध करती है कि राजनीतिक दलों के लिए चुनाव जीतना ही एकमात्र लक्ष्य है।

अधिकार से ही वंचित किया जा रहा है। क्या ऐसा करना उचित कहा जा सकता है?

कोरोना के दौरान पीएम केयर फंड में अरबों रुपए की राशि विभिन्न खेतों से प्राप्त हुई। इसका कहां और कैसे उपयोग हुआ, आज तक किसी को पता नहीं है। संभव है, तकनीकी रूप से इसका कैंग (सी ए जो) द्वारा अंकेक्षण का प्रावधान न हो, किंतु स्वयं सरकार को क्या यह नहीं चाहिए कि वह प्राप्त धनराशि का हिसाब देश के समक्ष प्रस्तुत करे ताकि जनता आश्चर्य हो सके कि इसका दुरुपयोग कहीं अपने चुनावी लाभ के लिए तो नहीं किया गया?

यही स्थिति इलेक्ट्रॉल बॉन्ड की भी थी। यह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट का कि उसने इलेक्ट्रॉल बॉन्ड के संबंध में जानकारी सार्वजनिक करने हेतु सरकार को बाध्य किया और इस योजना को अपारदर्शी मानते हुए इसे निरस्त भी कर दिया।

चुनाव जीतने के लिए समाज को विभाजित करने के काम में विपक्षी दल भी पीछे नहीं हैं। जातिगत गणना की मांग करके वे देश को जातियों में बांटने का ही तो काम कर रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न जातियों में एक दूसरे के प्रति कटुता और विद्वेष उत्पन्न करना ही तो है। ताकि जातिगत ध्रुवीकरण से अधिकाधिक मत प्राप्त कर सकें। होना तो चाहिए कि सबको अच्छी शिक्षा के अवसर उपलब्ध हों और चयन जाति के आधार पर नहीं अपितु केवल योग्यता के आधार पर हो। आरक्षित वर्ग में कर्मों को लेकर को आरक्षण न देने की बात तो सुप्रीम कोर्ट ने भी कही है। हाल ही में कर्नाटक सरकार ने सरकारी ठेकों में मुस्लिमों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण बाबा भी इसी प्रकार का विभाजन कारी कदम है जिसका उद्देश्य केवल अल्पसंख्यकों के मत प्राप्त करना है।

राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव जीतने के लिए तथाकथित धर्म गुरुओं और बाबाओं का भी सहारा लिया जाता है। इसके लिए चाहे बलात्कार और हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे आसाराम बापू और बाबा गुरुमीत राम रहीम को चुनाव के समय पैरोल पर ही क्यों न छोड़ना पड़े? सरकारों की यह कार्यवाही यही सिद्ध करती है कि राजनीतिक दलों के लिए चुनाव जीतना ही एकमात्र लक्ष्य है। इसके लिए राजनीतिक दलों और नेताओं को बलात्कारी और पाखंडी बाबाओं का सहयोग लेने में भी कोई शर्म नहीं है। यह सबका संवैधानिक दायित्व है कि समाज में वैज्ञानिक सोच को विकसित किया जाए। इसके बावजूद, नेताओं द्वारा पाखंडी बाबाओं के माध्यम से अंधविश्वास को फैलाया जाए और उसके आधार पर समाज का विभाजन करके समर्थन जुटाया जाए ताकि चुनाव में जीत हासिल की जा सके, तो इसे देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा। जिस बागेश्वर बाबा उर्फ भीरेंद्र शास्त्री ने कुंभ के दौरान भगदड़ में मरने वालों के मोक्ष प्राप्त करने की बात कही हो, उन्हीं के चरणों में यदि प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और अन्य प्रमुख नेता आर्शावादी लेने चले जाएं तो इससे अंध विश्वास ही तो बढ़ेगा। सबका उद्देश्य केवल मात्र चुनाव जीतना ही है।

किस प्रकार धर्म के नाम पर समाज को विभाजित किया जा रहा है वह इन नारों से ही स्पष्ट है, जैसे 'एक है तो सेफ है' 'बटंगे तो कटंगे'। योगी जी मुसलमान के लिए 'कठमुल्ला' शब्द का प्रयोग करते हैं, किंतु ऐसा करते समय वे यह बूल जाते हैं कि कठमुल्ला का कोई संबंध 'मुल्ला' से नहीं है। इसका प्रयोग अज्ञानी व्यक्ति के लिए किया जाता है। यह सब केवल धार्मिक भावनाओं को भड़काने के लिए किया जाए तो इसे 'विकसित भारत' की निशानी तो नहीं माना जा सकता।

शिक्षा की दुर्गति जो कुछ वर्षों में हुई है उससे सभी परिचित हैं। इसी प्रकार आपाधापी में चुनाव से पूर्व अनेक विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय खोल दिए जाते हैं। इनमें न शिक्षक हैं न आधार भूत सुविधाएं। यहां तक कि मेडिकल कॉलेज भी बिना शिक्षकों के खोल दिए गए। एक-एक कमरे में महाविद्यालय चल रहे हैं। इस प्रकार के निर्णय लेते समय जनता का हित गण हो जाता है। यह जनता के साथ छलवा हो है। प्रारंभिक शिक्षा की गुणवत्ता तो गर्त में चली गई है। शिक्षा की किसी को परवाह नहीं है, क्योंकि इसके आधार पर चुनाव नहीं जीते जाते। स्पष्ट है, सबका उद्देश्य चुनाव जीतना ही है।

एक जागरूक समाज की निशानी है कि उसके सदस्य सत्ता से सवाल करने का साहस रखें। किंतु यदि सत्ता ही सवाल पूछने वालों को प्रताड़ित करे अथवा भेज ले दे, केवल इसलिए कि उनका चुनावी नुकसान न हो, तो इसे स्वस्थ संकेत नहीं कहा जा सकता।

कुल मिलाकर ऐसा लगता है कि आजकल चुनाव जीतना ही एकमात्र लक्ष्य हो गया है, चाहे इसके लिए झूठ बोलना पड़े, जनता को धोखा देना पड़े, लोगों को झूठे आश्वासन देने पड़ें, समाज का ध्रुवीकरण ही क्यों न करना पड़े।

इस स्थिति को बदलना आवश्यक है। और जितना यह कार्य शीघ्र किया जाए उतना ही उत्तम होगा। प्रश्न यह है कि आखिर कब तक केवल चुनावी जीत के लिए सामाजिक समरसता, भाईचारा, ईमानदारी, कर्तव्य, निष्ठा, देश प्रेम, परस्पर सद्भाव को विरासत, छिन्न-भिन्न होती रहेगी तथा हमारे लोकतंत्र और राष्ट्र को भीतर ही भीतर खोखला करती रहेगी?

-अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणवत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक मूल्यांकन में बड़ा बदलाव : चुनौतियां और समाधान



अशोक कुमार

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, यूजीसी ने एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है जो भारतीय विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक परिदृश्य को नया आकार दे सकता है। इस निर्णय के तहत यूजीसी ने संकाय मूल्यांकन के लिए संशोधित मानदंड पेश किए हैं। इसका उद्देश्य शिक्षण संस्थानों और शिक्षकों के मूल्यांकन के लिए अधिक व्यापक और समग्र दृष्टिकोण अपनाना है। ये परिवर्तन पहले के मानकों से एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाते हैं, जिसमें शोध प्रकाशनों और प्रदर्शन-आधारित अंकों पर बहुत अधिक जोर दिया जाता था।

नए अकादमिक प्रदर्शन संकेतक ढांचे में विस्तृत संशोधित दिशा-निर्देश, विशुद्ध रूप से अकादमिक आउटपुट से ध्यान हटाकर शिक्षण प्रभावशीलता, छात्र प्रतिक्रिया और संस्थागत योगदान

के व्यापक दृष्टिकोण पर केंद्रित करने के लिए तैयार हैं। पारंपरिक स्कोर-केंद्रित प्रणाली को अधिक गुणात्मक मूल्यांकन से बदला जा रहा है जिसमें विभिन्न प्रकार के प्रदर्शन क्षेत्र शामिल हैं।

नया ढांचा छात्र प्रतिक्रिया, मार्गदर्शन और सीखने के परिणामों को ध्यान में रखेगा। आउटरीच कार्यक्रमों, सामाजिक परियोजनाओं और संस्था-निर्माण गतिविधियों में शिक्षकों के योगदान को महत्व दिया जाएगा। कक्षा नवाचार, प्रौद्योगिकी का उपयोग और शिक्षार्थियों के साथ जुड़ाव केवल प्रकाशन रिकॉर्ड से अधिक मूल्य रखेगा। जबकि शोध महत्वपूर्ण बना हुआ है, समग्र मूल्यांकन में इसके महत्व को तर्कसंगत बनाया गया है, यह मानते हुए कि सभी संकाय भूमिकाएँ शोध-गहन नहीं हैं।

यूजीसी ने स्वीकार किया है कि पहले के मेट्रिक्स ने प्रकाशन को असमान रूप से पुरस्कृत किया, अक्सर सार्थक शिक्षण की कोमत पर। इस नए ढांचे में बदलाव करके प्रणाली अधिक समावेशी और निष्पक्ष हो जाती है, विशेष रूप से गैर-शोध-गहन भूमिकाओं में शिक्षकों के लिए। संकाय छात्र परिणामों, शिक्षण प्रदर्शन और वास्तविक दुनिया के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के व्यापक

दृष्टिकोण के साथ सरिहित है, जो शिक्षा की गुणवत्ता के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है। यह नया ढांचा संकाय को केवल शोधपत्रों के प्रकाशन से अधिक होने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह कक्षा को प्रभाव के लिए प्राथमिक स्थान के रूप में मान्यता देता है। अन्य लोगों ने उल्लेख किया है कि यह दृष्टिकोण वैश्विक विश्वविद्यालय प्रणालियों के अनुरूप है, जहाँ शिक्षण उत्कृष्टता को अनुसंधान के समान ही महत्व दिया जाता है। इन मानदंडों को सभी यूजीसी-संबद्ध और केंद्र द्वारा वितरित संस्थानों में लागू किए जाने की उम्मीद है। शोध प्रकाशन अभी भी मायने रखेंगे, लेकिन उनका महत्व शिक्षण और सामुदायिक जुड़ाव जैसे अन्य योगदानों के साथ संतुलित किया जाएगा। नए मूल्यांकन मानदंड हालाँकि आधिकारिक लिथि की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन उन्हें 2025 से लागू करने में अपनाए जाने की उम्मीद है। ये परिवर्तन पदोन्नति और कैरियर की प्रगति शिक्षक के समग्र योगदान से अधिक निकटता से जुड़ी होगी।

यूजीसी ने समग्र शिक्षक मूल्यांकन मानदंड पेश किए हैं, जिसका उद्देश्य शिक्षकों के प्रदर्शन का अधिक व्यापक और निष्पक्ष मूल्यांकन करना है। हालाँकि, इस नए मानदंड के कार्यान्वयन में कुछ चुनौतियां और

समस्याएँ हैं।

नए मानदंड में छात्रों, सहकर्मियों और स्वयंसेवकों के मूल्यांकन सहित कई कारकों को शामिल किया गया है। इससे मूल्यांकन में व्यक्तिपरकता का खतरा बढ़ जाता है, क्योंकि विभिन्न व्यक्तियों के अलग-अलग दृष्टिकोण हो सकते हैं। शिक्षकों को अपने प्रदर्शन का विस्तृत दस्तावेजीकरण करने और कई मूल्यांकनकर्ताओं से प्रतिक्रिया एकत्र करने की आवश्यकता होगी। इससे शिक्षकों पर अतिरिक्त प्रशासनिक बोझ बढ़ सकता है। शिक्षकों और मूल्यांकनकर्ताओं को नए मानदंडों को समझने और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी। विभिन्न संस्थानों में मूल्यांकन प्रक्रियाओं में एकरूपता सुनिश्चित करना एक चुनौती हो सकती है।

नए मानदंड के कार्यान्वयन में कुछ समस्याएँ भी हैं। लगातार मूल्यांकन का डर शिक्षकों में तनाव और चिंता पैदा कर सकता है, जिससे उनकी रचनात्मकता और शिक्षण की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। यदि मूल्यांकन पर अत्यधिक ध्यान दिया जाता है, तो शिक्षक नवाचार और जोखिम लेने के बजाय केवल अच्छे अंक प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। अनैतिक व्यवहार को प्रोत्साहन को बढ़ावा मिलने की आशा है। कुछ शिक्षक बेहतर मूल्यांकन प्राप्त करने के लिए अनैतिक

व्यवहार का सहारा ले सकते हैं, जैसे कि छात्रों को अच्छे अंक देने के लिए दबाव डालना या सहकर्मियों को प्रभावित करना। मूल्यांकन प्रक्रिया में बहुत अधिक समय लगाने से शिक्षकों को अपने शिक्षण कार्य पर ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई हो सकती है।

विभिन्न चुनौतियाँ और समस्याएँ के समाधान के लिए मूल्यांकनकर्ताओं को निष्पक्ष और वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। मूल्यांकन प्रक्रिया स्पष्ट, पारदर्शी और सभी हितधारकों के लिए सुलभ होनी चाहिए। शिक्षकों को उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए नियमित रूप से समर्थन और प्रतिक्रिया प्रदान की जानी चाहिए। मूल्यांकन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और प्रशासनिक बोझ को कम करने के लिए तकनीक का उपयोग किया जा सकता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि समग्र शिक्षक मूल्यांकन मानदंड एक सकारात्मक कदम है, लेकिन इसके सफल कार्यान्वयन के लिए इन चुनौतियों और कमियों को दूर करना आवश्यक है।

-अशोक कुमार,

पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

8.97 करोड़ के गबन के विरोध में 20 खाताधारक पानी की टंकी पर चढ़े

मामला जैतसर के 3 जीबी ग्राम सेवा सहकारी समिति मिनी बैंक का है

श्रीगंगानगर, (निर्स)। बैंक में हुए करीब नौ करोड़ के गबन के विरोध में 20 खाताधारक पानी की टंकी पर चढ़ गए। इनमें चार महिलाएँ भी हैं। मामला जैतसर के 3 जीबी ग्राम सेवा सहकारी समिति मिनी बैंक का है। ये लोग श्रीकृष्ण गोशाला के पास रमशान घाट में बनी ओवरहेड टंकी पर चढ़े हैं। इनकी मांग है कि सभी अकाउंट होल्डर को उनके पैसे मिलने चाहिए। आरोपियों की गिरफ्तारी की जाए और उनकी संपत्ति कुर्क की जाए।

जनकारी के अनुसार अक्टूबर 2024 में जांच के दौरान बैंक में 8.97 करोड़ रुपए के गबन का मामला सामने आया था। जांच में पाया गया कि यह सिलसिला साल 2014 से चल रहा था। जांच के दौरान 444 खाताधारकों से जानकारी प्राप्त की गई, जिनकी कुल जमा पूंजी 9.75 करोड़ रुपए थी, लेकिन कुछ खाताधारक अब भी अपनी जानकारी देने के लिए उपस्थित नहीं हो पाए हैं, जिसके कारण जांच अब भी जारी है। भूमि विकास बैंक के

पूर्व अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह रंधावा टंकी पर चढ़े लोगों का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने ओवरहेड टैंक से एक वीडियो जारी किया।

उन्होंने कहा कि किसी ने बच्चे की शादी, किसी ने विजनेस शुरू करने तो किसी ने मकान बनाने के लिए बैंक में पैसे जमा किए थे। गांव की एक महिला है, उसके पति की कंठ की चपेट में आने से मौत हो गई थी। उसे पांच लाख का मुआवजा मिला था। उसने भविष्य में बेटियों की शादी के लिए बैंक में पैसे जमा कराए थे। आज उसके पास शादी के लिए एक पैसा भी नहीं है। इंद्रजीत रंधावा ने सहकारिता मंत्री गौतम प्रभात दक और जिला कलेक्टर डॉ. मंजू से गुजारिश की है कि सरकार से इनको पैसा दिवालाया जाए रंधावा ने आरोप लगाया कि सरकार ने 200 करोड़ का ब्याज माफ कर दिया, लेकिन ये तो हक के पैसे मांग रहे हैं, इनको पैसा मिलना चाहिए। रंधावा ने चेतावनी देते हुए कहा कि हम यहीं पर बैठे हैं। हम भले ही ऊपर बैठे भूखे मर

लोगों की मांग है कि सभी अकाउंट होल्डर को उनके पैसे मिलने चाहिए, आरोपियों की गिरफ्तारी की जाए और उनकी संपत्ति कुर्क की जाए

जाएँ, लेकिन हम नीचे तभी आएँगे, जब हमारी मांगें मान ली जाएंगी। खाताधारक सौरभ मोंगा ने बताया कि बैंक के बाहर धरना-प्रदर्शन को 95 दिन हो चुके हैं। अभी तक हमारी मांगें नहीं मानी गई हैं। मजबूरन आज पूर्व बैंक अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह रंधावा के नेतृत्व में बाटवडकस की ओवरहेड टंकी पर चढ़ना पड़ा। मोंगा ने कहा कि कुछ भी हो जाए, लेकिन जब तक पैसे नहीं मिलेंगे, वो पानी की टंकी से नीचे नहीं उतरेंगे। मोंगा ने दावा किया कि पानी की टंकी पर कुल 30 लोग चढ़े हैं, जिनमें चार महिलाएँ भी हैं।

सौरभ मोंगा ने कहा कि हमारी प्रमुख मांग है कि सभी खाताधारकों की पूरी राशि प्रदान की जाए। अभी तक मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। एक की मौत हो चुकी

अधिकारियों के मुताबिक, बैंक में गबन का मुख्य कारण मियादी जमाओं के खिलाफ अनियमित रूप से ऋण (लोन) वितरण करना था। समिति के कर्मचारियों ने जानबूझकर खाताधारकों की जमा पूंजी को गलत तरीके से ऋण के रूप में वितरित किया।

कई मामलों में मियादी जमा रसीदें भीनी बैंक के रिकॉर्ड में दर्ज नहीं की गईं। कई खाताधारकों के नाम पर ऋण वितरित किए गए, जिनके पास मियादी जमा की कोई रसीद ही नहीं थी। जांच के बाद समिति के पूर्व व्यवस्थापक सुमेर सिंह, वर्तमान व्यवस्थापक बिशानपाल सिंह और पूर्व सहायक व्यवस्थापक ओमप्रकाश चुध को गबन व अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार ठहराया गया। इन अधिकारियों ने अपने पदों का दुरुपयोग किया और बैंक की गबन साजिश में हाथ बढ़ाया। इनमें सुमेर सिंह की मौत हो चुकी है। ओमप्रकाश को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि बिशान पाल को अभी तक नहीं पकड़ा है।

पंडेर में झोलाछाप चिकित्सक पर आरपीएससी ने अभ्यर्थियों को स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई संशोधन का अवसर दिया

भीलवाड़ा, (निर्स)। जिलेवासियों को सही और सुरक्षित इलाज उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से जिले में अवैध क्लीनिक और झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाने को लेकर जिले में स्वास्थ्य विभाग की ओर से अभियान जारी है। मुख्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्य अधिकारी के आदेशानुसार, ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक जाट के नेतृत्व में पंडेर कस्बे में बस स्टैंड के पास स्थित अवैध नीम हकीम क्लिनिक पर कार्रवाई की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सीपी गोस्वामी ने बताया कि चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा पंडेर कस्बे में कार्रवाई के दौरान वृंदावन नाम के नीम हकीम को मरोजों का इलाज करते हुए पाया गया। झोलाछाप चिकित्सक के

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने क्लिनिक पर उपलब्ध दवायों व उपकरण जब्त किये

पास कोई वैध दस्तावेज नहीं पाए गये। जांच में क्लिनिक पर ऐंथीलेपिक दवायों, इंजेक्शन व अन्य चिकित्सा उपकरण अवैध रूप से उपयोग किए जा रहे थे। टीम ने मौके पर ही सभी दवाइयों व उपकरण जब्त कर क्लिनिक को सीज कर दिया। इसके साथ ही पुलिस द्वारा झोलाछाप चिकित्सक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की। इस दौरान चिकित्सा अधिकारी प्रभारी, पंडेर डॉ. राहुल विभागा, जीपीओ रामजस, फार्मासिस्ट अधीक्षक करवाया जाना प्रस्तावित है। आयोग द्वारा अभ्यर्थियों को उक्त परीक्षाओं के लिए जारी

अजमेर, (कास)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा मई माह में प्रस्तावित विभिन्न परीक्षाओं के अन्तर्गत संशोधन का अवसर अभ्यर्थियों को दिया गया है। आयोग सचिव ने बताया कि भूवैज्ञानिक एवं सहायक खनि अभियंता (खान एवं भूविज्ञान विभाग) परीक्षा, 2024 का आयोजन 7 मई 2025 को, सहायक आचार्य (चिकित्सा शिक्षा विभाग) परीक्षा-2024 (09 विषय) का आयोजन 12 मई से 16 मई तक, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (गृह विभाग) परीक्षा 2024 (08 विषय) का आयोजन 12 मई से 16 मई तक एवं जनसम्पर्क अधिकारी (सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग) परीक्षा-2024 का आयोजन 17 मई को करवाया जाना प्रस्तावित है। आयोग द्वारा अभ्यर्थियों को उक्त परीक्षाओं के लिए जारी

अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्म तिथि, जेंडर के अतिरिक्त प्रविष्टियों में संशोधन कर सकेंगे

विज्ञापन में उल्लेखित शर्तों अनुसार 19 मार्च से 25 मार्च तक अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्म तिथि व जेंडर के अतिरिक्त अन्य संशोधन ऑनलाइन करने का अवसर दिया जा रहा है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऑनलाइन संशोधन का अवसर अभ्यर्थियों के हितार्थ सुविधा मात्र है। परीक्षा के लिए जारी विज्ञापन में उल्लेखित शर्तों को शर्तों के अनुरूप ही संशोधन मान्य होंगे। विज्ञापन की शर्तें प्वांनुसार ही रहेंगी।

राशिफल मंगलवार 18 मार्च, 2025

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत् 2081, स्वाती नक्षत्र सायं 5:52 तक, व्याघात योग सायं 4:44 तक, बव करण प्रातः 8:52 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरु-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज कुमार योग रात्रि 10:10 से आरम्भ होगा। आज शुक्र वृद्ध 10:10 से आरम्भ होगा। श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:36 से 11:06 तक, लाभ-अमृत 11:06 से 2:05 तक, शुभ 3:54 से 5:04 तक। राहुकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:37, सूर्यास्त 6:33

मेघ व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्राप्ति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।	सिंह व्यावसायिक कार्यों के संबंध में तनाव बना रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।	धनु आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बने लगेगा। आय में वृद्धि हो सकती है। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।
वृष मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।	कन्या आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संबंधित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।	मकर व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बने लगेगा। व्यावसायिक वातां सफल रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।
मिथुन नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्च पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। आज महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी।	तुला व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में चल रहा मानसिक तनाव दूर होने लगेगा।	कुंभ नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बने लगेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।
कर्क परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव रहेगा।	वृश्चिक स्वास्थ्य संबंधित मामलों में परेशानी हो सकती है। व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।	मीन चन्द्रमा अशुभ भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बने कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने लगवाया 500 बच्चियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव का टीका

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। जयपुर ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर की पहल पर देश में पहली बार सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित सफाई कर्मचारियों की बच्चियों व स्कूली छात्राओं को निःशुल्क टीकाकरण कराया गया। इस दौरान बच्चियों ने "कैंसर हारेगा, भारत जीतेगा" के नारे भी लगाए। गौरतलब है कि महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने अपने मानदेय की राशि में से सर्वाइकल कैंसर के टीकों की राशि का भुगतान किया है। शिविर में 500 बच्चियों को टीकाकरण के लिए नामांकित किया गया था।



जयपुर के जवाहर कला केंद्र में 15 से 17 मार्च तक आयोजित शक्ति वंदन महोत्सव में धरेलू उत्पाद बनाने वाली महिलाओं ने प्रदर्शनी लगाई। इस दौरान महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने उन्हें प्रोत्साहित किया।

उद्घाटन मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने किया था। इस तीन दिवसीय महोत्सव का मुख्य आकर्षण सर्वाइकल कैंसर पीड़ितों का निःशुल्क टीकाकरण रहा। महापौर ने बताया कि देश में महिलाओं में फैलने वाली कैंसर में "सर्वाइकल कैंसर" दूसरे स्थान पर आता है, इसकी समय रहते रोकथाम के लिए इसका एकमात्र उपाय समयबद्ध तरीके से किया टीकाकरण ही है। हमारे देश की बच्चियां हमारे कल का भारत है, इनकी सुरक्षा हमारा पहला दायित्व है। इससे बचाव के लिए जागरूक करने के लिए महोत्सव के दौरान डॉक्टर्स व विषय विशेषज्ञों के साथ डॉक शो भी आयोजित किये गये, जिससे कि आमजन को इस बीमारी के बारे में अधिक से अधिक जानकारी उपलब्ध हो सके।

कार्यक्रम में सफाई कर्मचारियों की बच्चियों एवं स्कूली छात्राओं ने बह-चंद्रकर टीकाकरण कराया, जिसमें टीकाकरण के लिए लगभग 500 बच्चियों को नामांकित किया गया। टीकाकरण कराने वाली बच्चियों द्वारा टीकाकरण के दौरान "कैंसर हारेगा, भारत जीतेगा" के नारे भी लगाये गये। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर द्वारा की

यह पहल दश म पहला बार का गया है। इस प्रकार की पहल से देश में सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता और इससे बचाव के लिए आमजन प्रोत्साहित होगा। जिससे समयबद्ध तरीके से सर्वाइकल कैंसर का टीकाकरण होने पर देश सर्वाइकल कैंसर मुक्त हो सकेगा। इस समारोह में स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए "वोकल फॉर लोकल" के तहत प्लेटफार्म उपलब्ध कराने हेतु सुजन, श्री अन्नम्, वस्त्रम्, सोनदर्यम्, हरितम् (पर्यावरण), रत्नम्, वेस्ट टू वेल्थ, संस्कृति सम्बन्धी 300 स्टॉल-प्रदर्शनी लगाई जाकर उत्पादों को आमजन के समक्ष प्रस्तुत किया गया। कैंसर हारेगा, भारत जीतेगा सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण की पहल, निडर नारी, सभत भारत आत्मरक्षा का संकल्प, युग परिवर्तन की आधारशिला "नारी शक्ति

- अपने मानदेय की राशि में से टीकाकरण का खर्च उठाकर देशभर में पेश की अनुकरणीय पहल
- जवाहर कला केंद्र में आयोजित शक्ति वंदन महोत्सव का धूमधाम से हुआ समापन
- ग्रेटर महापौर ने स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए "300 स्टॉल" प्रदर्शनी भी लगावाई

वन्दन", मरा कहाना मरा जुबाना, शक्ति वंदन भारत के स्व का अभिर्नंदन, चैंज मेकर-द रियल वूमन, आर्थिक सशक्तिकरण, उद्यमिता में नारी शक्ति, स्वस्थ नारी समृद्ध समाज, साक्षरता-डिजिटल, फाइनेंसियल, लीगल टॉक शो भी आयोजित करते हुए महिला सशक्तिकरण के कदम उठाये गये। साथ ही अहिल्याबाई होल्कर के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुए महिला सशक्तिकरण व राष्ट्र निर्माण में दिये गये योगदान से आमजन को प्रेरणा लेने के लिए अहिल्या बाई होल्कर प्रदर्शनी भी आयोजित की गयी। महोत्सव के दौरान राजस्थानी कला और संस्कृति को प्रोत्साहन करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं फागोत्सव का आयोजन किया गया।

वन्दन", मरा कहाना मरा जुबाना, शक्ति वंदन भारत के स्व का अभिर्नंदन, चैंज मेकर-द रियल वूमन, आर्थिक सशक्तिकरण, उद्यमिता में नारी शक्ति, स्वस्थ नारी समृद्ध समाज, साक्षरता-डिजिटल, फाइनेंसियल, लीगल टॉक शो भी आयोजित करते हुए महिला सशक्तिकरण के कदम उठाये गये। साथ ही अहिल्याबाई होल्कर के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुए महिला सशक्तिकरण व राष्ट्र निर्माण में दिये गये योगदान से आमजन को प्रेरणा लेने के लिए अहिल्या बाई होल्कर प्रदर्शनी भी आयोजित की गयी। महोत्सव के दौरान राजस्थानी कला और संस्कृति को प्रोत्साहन करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं फागोत्सव का आयोजन किया गया।

दिया कुमारी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात की



जयपुर/नई दिल्ली। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य, रसायन तथा उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने राजस्थान के विकास संबंधी विषयों पर विस्तृत चर्चा कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। वहीं दूसरी ओर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से सोमवार को दिया कुमारी ने मुलाकात की। दोनों के बीच राजस्थान में नए पर्यटन आयात तलाशने, सीमावर्ती इलाकों में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने के साथ विशेष रूप से टाइबल टूरिज्म और रूरल टूरिज्म को बढ़ावा देने की चर्चा के साथ शेखावती इलाके में हवेलियों के संरक्षण एवं पर्यटन की अपार संभावनाओं पर विचार-विमर्श हुआ। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय में हुई बैठक में पर्यटन विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

चारदीवारी में जुलूस के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई



विधायक बालमुकुंद आचार्य व भाजपा अध्यक्ष अमित गोयल ने पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा।

जयपुर। धुलंडी पर जौहरी बाजार, बड़ी चौपड़, हवा महल, चांदी की टकसाल होते हुए आमेर रोड तक दुपहिया और चौपहिया वाहनों से रैली निकालने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। हवा महल विधायक स्वामी बालमुकुंद आचार्य और शरद भाजपा अध्यक्ष अमित गोयल ने सोमवार को पुलिस कमिश्नर से मिलकर ज्ञापन सौंपते हुए कार्यवाही की मांग की। विधायक बालमुकुंद आचार्य ने बताया कि झुंड में मोटरसाइकिलों पर

चार-चार व्यक्ति बैठे हुए उन्होंने मार्ग में देशी-विदेशी पर्यटकों के साथ अभद्रता और मारपीट की। मकानों के बाहर खड़े वाहनों के शीशे तोड़े। गोविंद देव जी मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं विशेषकर महिलाओं के साथ अभद्रता और आपत्तिजनक टिप्पणियां की। इससे जयपुर के समस्त सनातनियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। पर्यटकों के साथ दुर्व्यवहार किए जाने से प्रदेश की छवि धूमिल हुई है। दो दिन बाद आमेर रोड,

रामगढ़ मोड़ पर पुनः रैली निकालकर आपराधिक कृत्यों की पुनरावृत्ति की गई। निरंतर निकाली जा रही रैली का मकसद सिर्फ आमजन में भय व्याप्त करना है। विधायक बालमुकुंद आचार्य ने दोनों दिन धार्मिक उन्माद फैलाने की नीयत से निकाली गई रैली में दौपहियों की पहचान कर कानूनी कार्यवाही करने तथा बिना अनुमति रैली निकालने पर दोषी पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध भी कार्यवाही करने की मांग की।

भजनलाल शर्मा पहुंचे दांत का इलाज करवाने

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार अपने दांतों के इलाज के लिए मानसरोवर स्थित निजी डॉटल क्लिनिक पहुंचे। जहां मुख्यमंत्री ने दांतों की रूटिन जांच करवाई। इस दौरान करीब दो घंटे तक वे क्लिनिक में रहे।

मानसरोवर रजत पथ स्थित माहेश्वरी डॉटल क्लिनिक पर पहुंचे डॉक्टर ने भजनलाल शर्मा के दांतों की सीनियर डॉटल डॉ. नीलम माहेश्वरी ने जांच की और ट्रीटमेंट किया। बताया जा रहा कि मुख्यमंत्री के दांत की आरसीटी की गई, जिसके कारण उनको क्लिनिक पर करीब 2 घंटे से ज्यादा समय तक रुकना पड़ा। इस दौरान एसएमएस प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेश्वरी ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास

जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 138 ओझा जी के बाग में विधायक कोष से प्रदत्त राशि 14 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। नटवर कुमावत ने बताया कि वार्ड 138 ओझा जी के बाग में स्थानीय लोगों की मांग पर विधायक कोष से प्रदत्त 14 लाख रुपये की राशि से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया।

योजनाओं में फर्जीवाड़ा करने वालों से वसूली की हो कार्यवाही : दक

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि किसानों को अधिक से अधिक राहत मिले, यह राज्य सरकार की प्राथमिकता है। किसानों तथा सहकारी सदस्यों को



अनियमितताएं रोकने के लिए खरीद केन्द्रों पर नये अधिकारी करें नियुक्त

लाभ पहुंचाने की दृष्टि से राज्य बजट में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं, जिनकी समयबद्ध क्रियान्विति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अनियमितताओं के मामलों में सख्त रुख अपनाते हुए कठोर कार्यवाही की जाए।

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने सोमवार को अपेक्स बैंक सभागार में विभागीय गतिविधियों की समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

सहकारिता मंत्री सोमवार को अपेक्स बैंक सभागार में राज्य बजट 2025-26 में की गई घोषणाओं सहित विभागीय गतिविधियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अकृषि ऋणों की वसूली के लिए अधिनियम के अनुसार कार्यवाही की जाए तथा अवधिपार ऋणों की वसूली के लिए ऋणी सदस्यों को नोटिस देने के साथ ही समझाइस की जाए। श्री दक ने एकमुश्त समझौता योजना का ड्राफ्ट वित्त विभाग से अनुमोदन के लिए शीघ्र

निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हैण्डलिंग और ट्रांसपोर्ट के टेंडर को लेकर उप रजिस्ट्रारों की जिम्मेदारी भी तय की जाए। टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शितापूर्ण होनी चाहिए। सहकारिता मंत्री ने निर्देश दिए कि खरीद केन्द्रों पर यथासंभव नये अधिकारियों को जिम्मेदारी दी जाए, जिससे अनियमितता की संभावना नहीं रहे। उन्होंने कहा कि जिन खरीद केन्द्रों पर पूर्व में अनियमितताएं हुई हैं, उनकी जांच करवाई जाए। साथ ही, उनका भुगतान रोकने की कार्यवाही भी की जाए। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शुरूआत से ही लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए उन्हें पूरा करने में पूरे मनोयोग से जुट जाएं, जिससे बजट घोषणाओं को समयबद्ध रूप से पूरा किया जा सके।

निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हैण्डलिंग और ट्रांसपोर्ट के टेंडर को लेकर उप रजिस्ट्रारों की जिम्मेदारी भी तय की जाए। टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शितापूर्ण होनी चाहिए। सहकारिता मंत्री ने निर्देश दिए कि खरीद केन्द्रों पर यथासंभव नये अधिकारियों को जिम्मेदारी दी जाए, जिससे अनियमितता की संभावना नहीं रहे। उन्होंने कहा कि जिन खरीद केन्द्रों पर पूर्व में अनियमितताएं हुई हैं, उनकी जांच करवाई जाए। साथ ही, उनका भुगतान रोकने की कार्यवाही भी की जाए। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शुरूआत से ही लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए उन्हें पूरा करने में पूरे मनोयोग से जुट जाएं, जिससे बजट घोषणाओं को समयबद्ध रूप से पूरा किया जा सके।

प्रदेश में 31 मार्च तक चलाया जाएगा सुरक्षा सखी संवाद पखवाड़ा

जयपुर। राजस्थान पुलिस की ओर से समस्त प्रदेश में 31 मार्च तक सुरक्षा सखी संवाद पखवाड़ा चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य राज्य में महिला और बालिकाओं में स्वयं की सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाना, उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करने तथा स्थानीय पुलिस से संवाद स्थापित करना है।

राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए पारदर्शिता से जुड़ी कार्य संस्कृति का हो विकास : राज्यपाल



राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से राजस्थान प्रशासनिक और लेखा सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने भेंट की।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि प्रशासनिक और लेखा सेवा में राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए अधिकारी पूर्ण पारदर्शिता की कार्य की संस्कृति का विकास करें। उन्होंने समय के साथ जीवन प्रबंधन को जोड़ते हुए नैतिक मूल्यों के लिए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजकीय सेवा में आने के बाद अधिकारियों को यह चाहिए कि वे जन कल्याण से जुड़े कार्यों और विकास योजनाओं का प्रभावी रूप में क्रियान्वयन करें।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि प्रशासनिक और लेखा सेवा में राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए अधिकारी पूर्ण पारदर्शिता की कार्य की संस्कृति का विकास करें। उन्होंने समय के साथ जीवन प्रबंधन को जोड़ते हुए नैतिक मूल्यों के लिए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजकीय सेवा में आने के बाद अधिकारियों को यह चाहिए कि वे जन कल्याण से जुड़े कार्यों और विकास योजनाओं का प्रभावी रूप में क्रियान्वयन करें।

उन्होंने कहा कि जीवन में भोजन के साथ हर स्तर पर व्यवस्थित नियोजन और प्रबंधन यदि आप करते हैं, तभी पदस्थिति पद पर अपने आपको प्रभावी रूप में साबित कर पाएंगे। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वीराज ने अधिकारियों से पूर्ण निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ काम करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच जरूरी है। अधिकारी राजकीय हित में अपनी पूर्ण क्षमता के साथ काम करें। आरंभ में हरिभाऊ माधुर लोक प्रशासन संस्थान की अतिरिक्त महानिदेशक शैली कुण्ठा ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा और लेखा सेवा के प्रशिक्षु 107 अधिकारियों के प्रशिक्षण और ओटीएस की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

नायब सरकार कर रही है नए हरियाणा का निर्माण : डॉ. पूनिया

चंडीगढ़। भाजपा हरियाणा प्रदेश प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार के वित्त वर्ष 2025-26 के बजट को नायब, विजनीरी और प्रोग्रेसिव बजट बताया। उन्होंने कहा कि बजट में सभी तबके के लोगों को छूआ गया है और यह बजट अत्यंत उदारता के साथ है। उन्होंने कहा कि बजट में सभी तबके के लोगों को छूआ गया है और यह बजट अत्यंत उदारता के साथ है। उन्होंने कहा कि बजट में सभी तबके के लोगों को छूआ गया है और यह बजट अत्यंत उदारता के साथ है।

'लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के स्थाई समाधान करें'

जयपुर। राजस्थान पुलिस के जवानों व अधिकारियों द्वारा 15 मार्च को पुलिस होली नहीं मनाने की जानकारी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संज्ञान में आने पर उनके द्वारा इस विषय में सोमवार को मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग, महानिदेशक पुलिस एवं शासन सचिव कार्मिक विभाग से विचारविमर्श कर आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया। अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह

पुलिसकर्मियों की समस्याओं के प्रति मुख्यमंत्री गंभीर: गृह विभाग की बुलाई बैठक

विभाग आनन्द कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री को यह भी अवगत कराया गया कि पुलिसकर्मियों की सेवा संबंधी कुछ मांगें पिछले 5-6 वर्षों से विचाराधीन हैं। इनमें उनकी पदोन्नति, वेतन, अवकाश संबंधी मांगें शामिल हैं।

मुख्यमंत्र ने इस विषय को काफी गंभीरता से लिया है व अधीनस्थ पुलिसकर्मियों से संबंधित एवं उनके कल्याणार्थ विद्दुओं पर अतिशीघ्र आवश्यक उचित कार्यवाही करने एवं लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का स्थाई समाधान करने के निर्देश दिये हैं। निकट भविष्य में पुलिसकर्मियों से संबंधित इन सभी बातों का विभाग स्तर पर परीक्षण करवाकर, एक नवीन परिप्रेषण में भविष्योन्मुखी परिवर्तन लागू किए जाएंगे।

सीबीआई ने कहा कि राज्य सरकार अनुसंधान में सहयोग नहीं कर रही

हाईकोर्ट ने कहा कि सीआरपीएफ या अन्य एजेंसियों की मदद ले लो

जयपुर। हाईकोर्ट ने प्रदेश में बजरी चोरी, अवैध खनन व परिवहन सहित बजरी माफियाओं से जुड़े मामलों में सीबीआई को कहा है कि वह चाहे तो इन केसों में अनुसंधान के लिए सीआरपीएफ या अन्य जांच एजेंसियों से भी मदद ले सकती है। वहीं सीबीआई अवैध बजरी खनन व बजरी माफियाओं से जुड़े जितने केसों में अनुसंधान करना चाहे, वह उसके लिए प्रैक्टिस है। अदालत ने राज्य सरकार की एजेंसियों को सीबीआई का सहयोग करने को कहा है। वहीं अदालत ने पूर्व लीज धारक की ओर से मामलों में पक्षकार बनने वाली अर्जी भी खारिज कर दी। जस्टिस

समीर जैन ने यह आदेश बजरी चोरी के मामले में आरोपी जम्बरू की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि अवैध बजरी खनन व खनन माफियाओं के कारण पुलिस वाले मर रहे हैं, लेकिन राज्य सरकार को इसकी कोई भी परवाह नहीं है। पूरा सिस्टम ही भगवान भरोसे

चल रहा है। अदालत ने मामले में राज्य सरकार को मामले में की गई कार्रवाई का ब्यौरा पेश करने के लिए 2 अप्रैल तक का समय दिया है। पिछली सुनवाई पर सीबीआई की ओर से संसाधनों की कमी का हवाला देते हुए बनास व चंबल के आसपास बजरी खनन से जुड़े करीब 416 मामलों में अनुसंधान करने में असमर्थता जताई थी। जिस पर अदालत

ने सीबीआई के निदेशक को व्यक्तिगत या वीसी के जरिए पेश होकर यह बताने के लिए कहा था कि इन मामलों में क्या अनुसंधान चल रहा है और अदालत के आदेश की इतनी लंबी अवधि होने के बाद भी अवैध बजरी खनन व माफियाओं के खिलाफ उन्होंने उचित कार्यवाई क्यों नहीं की। गौरतलब है कि अप्रैल, 2024 को अदालत ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपते हुए कहा था कि स्वतंत्रता दी थी वह बनास व चंबल नदी में अवैध खनन व परिवहन से जुड़े मामलों में दर्ज एफआईआर की जांच भी कर सकती है।

महाराणा प्रताप के वंशज अरविंद सिंह मेवाड़ पंचतत्व में विलीन हुए

उदयपुर, (कासं)। महाराणा प्रताप के वंशज मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य अरविंद सिंह मेवाड़ की पार्थिव देह सोमवार को पंचतत्व में विलीन हो गई। आयुष्ठ स्थित महासतिा में उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के दौरान उनके पुत्र डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने मुख्याग्नि दी, इस दौरान माहौल गमगीन हो गया। इस मौके पर अरविंद सिंह मेवाड़ के भतीजे और नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ भी मौजूद थे।

जानकारी के अनुसार मेवाड़ राजघराने के वरिष्ठ सदस्य अरविंद सिंह मेवाड़ का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान और पारंपरिक शाही रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। उनके अंतिम संस्कार में हजारों की संख्या में लोग उमड़ें और गाजे-बाजे के साथ उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। मेवाड़ की अंतिम यात्रा सिटी पैलेस के शंभू निवास से प्रारंभ हुई। इस दौरान राजसी बैड-बाजे की धुनों के बीच पारंपरिक शाही रथ में पार्थिव देह को महासतिा ले जाया गया। अंतिम यात्रा बड़ी पोल, जगदीश चौक, चंडावर और देहली गेट से होकर गुजरी जहां हजारों लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। मेवाड़ की इस महान विभूति को अंतिम प्रणाम करने के लिए शाही परिवार, गणमान्य नागरिक, राजनेता और हजारों लोग उमड़ें। बेटे लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने अपने पिता को कांपते हाथों से मुख्याग्नि दी तो वहां मौजूद हर आंखें छलक उठीं। अरविंद सिंह मेवाड़ का रिवार को निधन हो गया था। वे



दिवंगत अरविन्द सिंह मेवाड़ का शाही रीति-रिवाज के साथ अंतिम संस्कार किया।

लंबे समय से बीमार थे। वे सिटी पैलेस के शंभू निवास में रहते थे। यहीं पर वह डॉक्टर की निगरानी में थे।

अरविंद सिंह मेवाड़ की अंतिम यात्रा के महासतिा पहुंचने के बाद विश्वराज सिंह मेवाड़ महासतिा पहुंचे और उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। अरविंद सिंह मेवाड़ का राजशाही विधि-विधान से अंतिम संस्कार हुआ। सोमवार सुबह सिटी पैलेस स्थित शंभू निवास चौक में अंतिम दर्शनों के लिए अरविंद सिंह मेवाड़ की पार्थिव देह रखी गई। बड़ी संख्या में विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों और जनप्रतिनिधियों, होटल व्यवसाय से जुड़े लोगों के साथ

ही मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार से जुड़े ठिकानों से आए लोगों ने अरविंद सिंह मेवाड़ को पुष्पांजलि अर्पित की। शाही लवाजमे के साथ से अरविंद सिंह मेवाड़ की अंतिम यात्रा निकली, इस दौरान हजारों लोगों ने पार्थिव देह के लिए दर्शन कर पुष्पांजलि अर्पित की। सोमवार को अंतिम यात्रा से पहले पार्थिव देह के दर्शनों के लिए शंभू निवास के बाहर अरविंद सिंह मेवाड़ को देह को बाहर लाया गया। इस दौरान लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने अर्थों को कंधा दिया। करीब 11 बजे अंतिम यात्रा सिटी पैलेस से रवाना हुई जो कि शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए महासतिा पहुंची और

महासतिा में हजारों लोगों की मौजूदगी में अरविंद सिंह मेवाड़ का अंतिम संस्कार किया गया। मेवाड़ राजपरिवार के पूर्व सदस्य और नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ ने अरविंद सिंह मेवाड़ की अंत्योष्टि में शामिल होने के लिए महासतिा पहुंचे। इससे पहले रिवार को अरविंद सिंह मेवाड़ के निधन पर विश्वराज सिंह मेवाड़ ने एक शोक पत्र जारी कर अंतिम संस्कार में शामिल होने की बात कही थी। इसके बाद वे सोमवार को अंतिम यात्रा में शामिल होने की बजाय सीधे महासतिा पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित की। अरविंद सिंह मेवाड़ के निधन के

■ डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने मुख्याग्नि दी, शाही रीति-रिवाजों के साथ अंतिम संस्कार हुआ

■ अंतिम यात्रा के दौरान लोगों ने दी अंतिम विदाई, विश्वराज सिंह मेवाड़ भी अंत्योष्टि में शामिल हुए

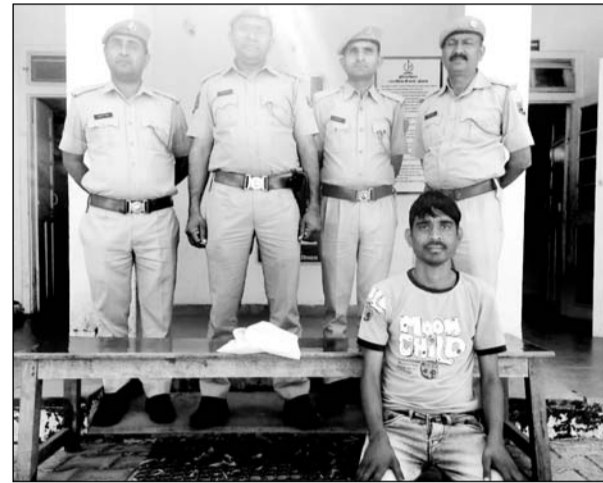
बाद सोमवार को पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए कई हस्तियां उदयपुर पहुंची और एक-एक कर सिटी पहुंचने के बाद शोक संवेदना व्यक्त की गई। इस दौरान पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, ताज बुप के सीईओ पुनित चटवाल, शिव (बादमेर) विधायक रविन्द्र सिंह भाटी, कवि एवं अभिनेता और डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ के खास मित्रों में शामिल शैलेश लोहा, पूर्व विधायक प्रीति शक्तावत, पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा, भजन गायक छोटू सिंह रावणा सहित कई लोग पहुंचे और सिटी पैलेस के शंभू निवास पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उदयपुर जिला कलेक्टर नमित मेहता व जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने भी अरविंद सिंह मेवाड़ को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सभी लोगों ने पुष्पांजलि के बाद डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ से मुलाकात की और उन्हें ढांडस बंधाया।

52 लाख रुपए की स्मैक जब्त, एक गिरफ्तार

आरोपी द्वारा निम्स कॉलेज के आसपास फुटकर बिक्री हेतु दीपू नामक व्यक्ति से खरीदना बताया

मानपुरा माचेड़ी, (निर्सं)। चंदवाजी थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से स्मैक जप्त की है। स्मैक की कीमत करीबन 52 लाख रुपए बताई जा रही है।

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक आनन्द शर्मा ने बताया कि जिला जयपुर ग्रामीण में शैक्षणिक संस्थानों के आसपास युवा वर्ग में बढ़ते हुए नशे की प्रवृत्ति को देखते हुए अवैध मादक पदार्थ बिक्री की रोकथाम हेतु तथा अवैध नशे का कारोबार करने वाले अपराधियों के खिलाफ कार्यवाही करने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) रजनीश पुनिया के निर्देशन में ऑपरेशन नॉकआउट अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को नशे के कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई हेतु वृत्ताधिकारी जमवामागढ़ प्रदीप सिंह यादव के सुपरविजन में थानाधिकारी हीरालाल सैनी के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गति पुलिस टीम में कांस्टेबल रोहितश को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति चंदवाजी से निम्स अस्पताल की तरफ स्मैक लेकर जा रहा है, जिस पर थानाधिकारी चंदवाजी मय पुलिस टीम के गश्त करते हुये निम्स से चंदवाजी की तरफ आ रहे थे। उसी दौरान शिव मंदिर भूरी ढंगरी के पास पहुंचे तो रंग साइड में सामने से एक व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया जो छिपने की कोशिश करने लगा, जिसको डिटेन कर नाम पता-पूछा गया



चंदवाजी पुलिस ने मादक पदार्थ रखने के आरोपी को गिरफ्तार किया।

तो अपना नाम श्याम लाल पुत्र हीरानारायण नायक निवासी जुगलपुरा पुलिस थाना चंदवाजी जिला जयपुर ग्रामीण होना बताया। कोई संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर चैकिंग की गयी तो पेन्ट की जेब में प्लास्टिक की थैली पाउडरनुमा पदार्थ से भरी मिली, जिसको चैक किया गया तो उसमें स्मैक थी। स्मैक रखने बाबत कोई लाईसेंस/परमिट मांगा तो नहीं होना बताया जिस पर उक्त नशा कारोबारी को एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया जाकर उसके के कब्जे से 280 ग्राम स्मैक जप्त की। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी द्वारा निम्स कॉलेज

के आसपास फुटकर बिक्री हेतु दीपू नामक व्यक्ति से खरीद कर लाना व दीपू द्वारा उक्त माल की डिलेवरी चंदवाजी के पास हाइवे पर देना बताया है। जयपुर स्मैक की अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमत करीब 52 लाख रूपये है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान मनोहरपुर थानाधिकारी भगवान सहाय द्वारा किया जा रहा है। उक्त मादक पदार्थ स्प्लॉई करने वाले दीपू के सम्बन्ध में आरोपी से गहनता से अनुसंधान जारी है। करवाई में चंदवाजी पुलिस थाने की टीम के रोहिताश्व की अहम भूमिका रही।

गैर लाइसेंसी नॉन वेज दुकानों को सीज किया

कोटा, (निर्सं)। नगर निगम कोटा उत्तर के आयुक्त अशोक त्यागी के निर्देशानुसार डीसीएम क्षेत्र में सोमवार को निगम उत्तर के उपायुक्त महावीर सिंह सिसोदिया की अगुवाई में गैर लाइसेंसी नॉन वेज दुकानों पर सीजिंग की कार्रवाई की गई। इस दौरान अवैध रूप से संचालित 5 दुकानों को कार्रवाई कर सीज किया गया।

नगर निगम कोटा उत्तर के उपायुक्त महावीर सिंह सिसोदिया ने बताया कि डीसीएम उद्योग नगर थाना क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व अतिक्रमण प्रभारी तरुणकांत सोमानी व राजस्व अनुभाग टीम के साथ सीजिंग की कार्रवाई को अंजाम दिया गया। उपायुक्त सिसोदिया ने बताया कि अवैध रूप से संचालित मांस व मछली विक्रेता दुकानदारों को पूर्व में भी नोटिस दिया गया था मगर इसके उपरांत भी जिन दुकानदारों द्वारा लाइसेंस प्रस्तुत नहीं किए गए व संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया उनकी दुकानों पर सीजिंग की कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित मांस व मछली विक्रेताओं के दुकानदारों को नोटिस देने के बाद भी यदि कोई दुकानदार बिना लाइसेंस के मांस व मछली का विक्रय करता है तो उस दुकानदार को दुकान पर सीजिंग की कार्रवाई भविष्य में भी जाती रहेगी।

छह वर्षीय शायान ने पहला रोजा रखा



छह वर्षीय मासूम शायान काजी ने पहला रोजा रखा।

भीलवाड़ा, (निर्सं)। स्थानीय गुलशन नगर निवासी मोहम्मद सलीम काजी के पोते और मोहम्मद जावेद के लाडले छह वर्षीय मासूम शायान काजी ने अपनी जिंदगी का पहला रोजा रिवार को रखा। सात वर्ष की आयु से पढ़ने रचना फुल माना गया है, इस लिए सात वर्ष की आयु में कई मासूमों ने पहला रोजा रखा, मगर दिन की तेज गर्मी में भूख और प्यास के

कठिन दौर से गुजर कर त्याग, तपस्या और मजहबी इबादत का संदेश देने वाले इस छह वर्षीय मासूम काजी के पहले रोजे की कामयाबी पर परिवारजन सहित रिश्तेदार और पड़ोसियों ने खुशी का इजहार करते हुए शायान को फूल मालाओं से लाद दिया और नगद पुरस्कार देकर बच्चे की हौसला अफजाई की।

झुंझुनू, (निर्सं)। रिवार को एक दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई थी, जिसमें अज्ञात द्वारा एक 17 दिन की मासूम बच्ची की हत्या की खबर थी, लेकिन यह हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि खुद 17 दिन की बेटे की मां ने की थी। मां को बेटा चाहिए था, लेकिन डिलीवरी के बाद जब दूसरी बार बेटे पैदा हुई तो मां इसे बदरिश्त नहीं कर सकी और आखिरकार जन्म के 17वें दिन घर में बने पानी के टैंक में नवजात बच्ची को डूबोकर हत्या कर दी। इसके बाद बच्ची के लापता होने का ढोंग किया।

घटना झुंझुनू के वार्ड 53 नयावास में रिवार को सुबह हुई। परिजनों को हालात संदिग्ध लगे तो उन्होंने मां से कड़ाई से पूछताछ की, जिसके बाद मां ने बताया कि उसे बेटे की चाह थी। शहर कोतवाल नारायण सिंह ने बताया कि पति पंकज सैनी की रिपोर्ट पर पत्नी निशा उर्फ आचकी देवी के खिलाफ बेटे की हत्या करने का मामला दर्ज किया है। आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार झुंझुनू शहर के वार्ड नंबर 53 नयावास में प्रताप सैनी का परिवार रहता है। प्रताप सैनी के छोटे बेटे पंकज सैनी की पत्नी निशा उर्फ आचकी सैनी ने 28 फरवरी को अपनी दूसरी बेटे

बेटे की चाह में मां ने ही 17 दिन की बेटे की हत्या की थी, मां गिरफ्तार



पुलिस ने मासूम बेटे की हत्या के आरोप में मां को गिरफ्तार किया।

को जन्म दिया था, जिसके बाद वह अस्पताल में भर्ती रही। तीन मार्च को ही उसे अस्पताल से छुट्टी मिली तो उसकी दूसरी बेटे सोनिया का घर पहुंचने पर पारंपरिक रीतियों के अनुसार परिवार की महिलाओं ने स्वागत भी किया। सब कुछ ठीक चल रहा था, लेकिन रिवार सुबह जब परिवार के सभी सदस्य खेत में फसल कटाई के लिए घर से निकले। उसके करीब एक घंटे बाद निशा उर्फ आचकी ने रोते-बिलखते हुए फोन किया

कि उसकी 17 दिन की बेटे सोनिया गायब हो गई। जब 17 दिन की बेटे सोनिया गायब हुई, उस वक्त घर में निशा उर्फ आचकी, उसकी बड़ी बेटे तीन साल की नाहिरा तथा 17 दिन की बेटे सोनिया ही थी। परिवार के लोग फसल कटाई छोड़कर घर पहुंचे। पूरे मोहल्ले के लोगों ने करीब एक घंटे तक घर में और घर के बाहर मासूम को तलाश किया, लेकिन कहीं पर भी कोई

जानकारी नहीं मिली तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने आकर भी इधर-उधर तलाश किया। बाद में घर में बनी पानी की होठ का ढक्कन खोलकर देखा तो उसमें 17 दिन की मासूम सोनिया का शव तैरता हुआ मिला, जिसे निकाला गया और बीडोंके अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को दिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि घटना के समय घर का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था, जिसे निशा के ससुर

■ मां ने बेटे की चाह में मासूम बेटे को पानी के टैंक में डालकर मार दिया था

■ बेटे पैदा हुई तभी से दूसरी बेटे होने के कारण तनाव में थी मां

रामप्रताप खेत जाते समय कुंदा लगाकर गए थे। 17 दिन की मासूम चारपाई से गिरकर अपने आप टैंक तक नहीं जा सकती थी। टैंक का ढक्कन भी बंद था, जिससे कोई बाहरी व्यक्ति अंदर घुसकर बच्ची को पानी में नहीं डाल सकता था। घर की चारदीवारी ऊंची थी, जिससे किसी बाहरी व्यक्ति का अंदर आना मुश्किल था। इन सभी बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए परिजनों को शक हुआ तो उन्होंने निशा से सख्ती से पूछताछ की। पहले निशा झूठ बोलती रही, लेकिन जब उसकी ननद और अन्य रिश्तेदारों ने उसे धक्का सवाल किए, तो वह टूट गई और उसने कबूल कर लिया कि उसने खुद अपनी बेटे को टैंक में डूबोकर मारा है।

लूट मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार महिला से 12 लाख नकद व 30 लाख के जेवर लूटे थे

श्रीमधोपुर, (निर्सं)। नाथसुर लूट मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डिप्टी एसपी उमेश गुप्ता के नेतृत्व में थानाधिकारी विजय सिंह ने कार्रवाई करते हुए आमावाली निवासी नरेंद्र सिंह और नाथसुर निवासी समीर कटारिया को जंगल और पहाड़ी क्षेत्र में पीछा कर दबोच लिया।

गौरतलब है कि नाथसुर निवासी संपत देवी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि तीन नकाबपोश बदमाशों ने उसे बंधक बनाकर 12 लाख नकद और करीब 30 लाख के सोने-चांदी के आभूषण लूटकर फरार हो गए थे। पुलिस ने पहले आरोपी प्रदीप सिंह शेखावत को गिरफ्तार कर लूटे गए जेवर बरामद किए थे। वहीं लूट की रकम से टाटा पंच कार

खरीदने वाले अजय सिंह को भी गिरफ्तार कर कार जब्त कर ली थी। ताजा गिरफ्तारी में नरेंद्र सिंह और समीर कटारिया को चिपलता के पास जंगल में घेराबंदी कर पकड़ा गया। इस कार्रवाई में कांस्टेबल राजवीर और महेश कुमार, नसीर खान एवं दीपक प्रजापति उर्फ पूड़ी को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी ने बताया कि पकड़े गये चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

बाँली-बामनवास, (निर्सं)। भरतपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत गतिट टीमां ने दबिश देकर मुखबिर की सूचना पर आरोपी शेरसिंह गुजर निवासी गुडला थाना बामनवास को सीतापुरा मोड़ लिवाली के पास से अवैध देशी शराब के 96 पक्वों के साथ एवं ककराला मोड़ लिवाली के पास से दुर्गालाल रैगर निवासी लिवाली को 94 अवैध देशी शराब के पक्वों के साथ गिरफ्तार किया।

सिलेण्डर से भरे वाहन ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मारी, मां-बेटे की मौत

छबड़ा, (निर्सं)। कस्बे के पुलिस थाने के सामने एक गैस सिलेण्डर से भरे वाहन के चालक ने अटर्क की तरफ से आ रहे बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी। इस घटना में सात माह के मासूम व विवाहिता की मौत हो गई। पुलिस ने वाहन को जब्त कर चालक को डिटेन कर लिया।

■ अटर्क निवासी बाइक सवार दंपती छबड़ा की ओर आ रहे थे, रास्ते में हादसा हुआ

पुलिस के अनुसार अटर्क निवासी बाइक सवार दंपती कुष्णा, इसकी पत्नी कुष्णा (30) व सात माह का मासूम भूपेंद्र अटर्क से छबड़ा की ओर आ रहे थे कि गैस सिलेण्डर से भरे वाहन ने

उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी, जिसमें भूपेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में घायल विवाहिता कुष्णा (30) को गंभीर अवस्था के चलते बारां रेफर कर दिया था, जिसने

भी सालपुरा के निकट दम तोड़ दिया। पति कुष्णा के भी हल्की चोट आई है। पुलिस ने मृतक मासूम का पोस्टमार्टम करवा दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी मिलने पर चिकित्सालय पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। हर कोई इस हृदयविदारक घटना से स्तब्ध था।

सोती गांव में बंदर का आतंक, महिला पर हमला किया

झुंझुनू, (निर्सं)। निकटवर्ती गांव सोती में एक बंदर ने इन दिनों आतंक मचा रखा है। बंदर के आतंक से एक महिला घायल हो गई। गांव में दो दिन पहले एक बंदर देखा गया। बंदर लगातार गांव में ही घूम रहा है और आज दिन लोगों पर हमला कर रहा है। सोमवार को यह बंदर गुर्जरों की ढाणी में एक घर की छत पर बैठा



पर सामान लेने निकला तो बंदर पीछे पड़ गया। इस दौरान उन्होंने भागकर जान बचाई। ग्रामीणों ने बताया कि बंदर गांव के घरों और मुख्य सड़क पर घूम रहा है। शाम को सड़क पर से गुजरने वाले लोगों और दुपहिया वाहन चालकों पर हमला कर रहा है। इससे गांव में भय का माहौल बना हुआ है। इधर ग्रामीणों ने बंदर को पकड़ने के लिए वन विभाग और नगर परिषद झुंझुनू को सूचना दी है।

रेस्टोरेंट के किचन में आग लगी

मनोहरपुर, (निर्सं)। कस्बे के टोल प्लाजा के पास स्थित ब्रेकफास्ट स्टोरी रेस्टोरेंट के किचन में सोमवार को शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। आग में करीब दो लाख रुपए का नुकसान बताया जा रहा है। टोल प्लाजा के पास कस्बा निवासी अंजुम खान की ब्रेकफास्ट स्टोरी रेस्टोरेंट है, जिसके किचन में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगने से किचन में रखा डी फ्रीज सहित कई समान जलकर राख हो गए। मामले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया गया।

चार गिरफ्तार

कोटा, (निर्सं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने छेड़छाड़ व मारपीट के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गुमानपुरा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर ने बताया कि महेंद्र भट्ट, अंकित मीणा, नसीर खान एवं दीपक प्रजापति उर्फ पूड़ी को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी ने बताया कि पकड़े गये चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

श्रीगंगानगर, (निर्सं)। जिले के अनुपगढ़ में बीएसएफ ने घुसपैठ कर रही पाकिस्तानी महिला को पकड़ा है। महिला सोमवार सुबह करीब 6:55 बजे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर की तारबंदी पार कर भारतीय क्षेत्र में घुस गई थी। विजेता पोस्ट पर बीएसएफ के जवानों ने उसे तुरंत हिरासत में ले लिया। महिला ने पाकिस्तान वापस जाने से साफ इनकार कर दिया है। बीएसएफ के अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं। हालांकि अभी तक उसे पुलिस के हवाले नहीं किया गया है। महिला ने भारत में शरण मांगी है। महिला का कहना है कि अगर वह पाकिस्तान लौटती है तो उसे मार दिया जाएगा। वह डोमैस्टिक वॉयलेंस के कारण परेशान थी, इसलिए बॉर्डर क्रॉस करके आ गई।



बीएसएफ ने भारत-पाक बॉर्डर पर घुसपैठ कर रही महिला को पकड़ा।

जांच कर रही है। वे यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि महिला का भारत

आने का उद्देश्य क्या था? कहीं वह किसी संदिग्ध संगठन से तो नहीं जुड़ी है।

■ महिला ने पाकिस्तान वापस जाने से साफ इनकार किया, महिला ने भारत में शरण मांगी

■ महिला का कहना है कि अगर वह पाकिस्तान लौटती है तो उसे मार दिया जाएगा, वह डोमैस्टिक वॉयलेंस के कारण परेशान थी

■ महिला सोमवार सुबह भारत-पाकिस्तान बॉर्डर की तारबंदी पार कर भारतीय क्षेत्र में घुस गई थी

बीएसएफ के अनुसार, महिला के तारबंदी पार कर भारतीय सीमा में घुसकर 50 मीटर अंदर आते ही विजेता चौकी पर तैनात जवानों ने उसे पकड़ लिया। महिला ने अपना नाम हुमाय (32) पर बताया है। वह बलूचिस्तान के केच जिले के दगरी खान गांव की रहने वाली है। बीएसएफ ने महिला से एक मोबाइल, सोने की बाली, नथ और हाथ में पहना कड़ा बरामद किया है। महिला ने बताया

कि उसके पति का नाम बसोम है। बसोम की बलूचिस्तान में दुकान है। उसके माता-पिता कराची के रहने वाले थे। इससे पहले 24 दिसंबर को श्रीगंगानगर के भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर पाकिस्तानी घुसपैठिए को बीएसएफ ने मार गिराया था। वह देर रात भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास कर रहा था। उसके पास पाकिस्तानी मुद्रा, सिगरेट का पैकेट और अन्य सामान मिला था।

टीम बदलाव के दौर से निपटने में सक्षम : मेहदी हसन

ढाका, 17 मार्च। बंगलादेश के दाएं हाथ के बल्लेबाज मेहदी हसन मिराज का मानना है कि टीम में पर्याप्त अनुभवी खिलाड़ी हैं और वे प्रमुख वरिष्ठ खिलाड़ियों के हाल ही में संन्यास लेने के बाद चल रहे बदलाव के दौर से उबरने में सक्षम हैं। शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मेहदी ने कहा, फिलहाल टीम में छह से सात खिलाड़ी ऐसे हैं जो सात से 10 साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्हें अब नया नहीं कहा जा सकता। यह एक प्रक्रिया है। हमें अभी फेसला लेना चाहिए और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए। विरयकप में अभी दो से ढाई साल का समय है, इसलिए हमें तुरंत टीम तैयार करनी होगी। उन्होंने कहा, चयन में निरंतरता महत्वपूर्ण है। टूर्नामेंट से दो या तीन महीने पहले ही तैयारी शुरू करना बहुत मुश्किल होगा। मुशाफिकुर भाई (रहमान) और पिछली पीढ़ी के अन्य खिलाड़ियों ने सात से आठ वर्ष तक टीम की सेवा की है और बंगलादेश क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। अब, हम भी लंबे समय से यहां हैं। हमारा लक्ष्य बंगलादेश क्रिकेट को अगले स्तर तक ले जाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछली पीढ़ी ने एक अच्छी आधारशिला रखी है। अब हमारा काम टीम को और आगे ले जाना है।

ड्रेपर ने होल्गर रूण को हराकर इंडियन वेल्स खिताब जीता

कैलिफोर्निया, 17 मार्च। ब्रिटेन के जैक ड्रेपर ने पुरुष वर्ग के इंडियन वेल्स फाइनल में डेनमार्क के होल्गर रूण को हराकर अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीत लिया। आज यहां एक घंटे नौ मिनट तक चले मुकाबले में 23 वर्षीय ड्रेपर ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी रूण को 6-2, 6-2 से हराया। ड्रेपर और रूण 2021 के बाद से इंडियन वेल्स में मास्टर्स फाइनल में स्पर्धा करने वाले पहले गैर शीर्ष 10 खिलाड़ी हैं। ड्रेपर जीत जीत के साथ ही एटोपी रैंकिंग में सात पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गये हैं। मैच के बाद ड्रेपर ने कहा, मैं इस सप्ताह अपनी उपलब्धियों पर अविश्वसनीय रूप से खुश और गर्वित हूँ। मैंने पिछले साल के अंत में कहा था कि मैं कार्लोस अल्काराज, जैकन सिनर और उन सभी खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करना चाहता हूँ जो बड़े खिताबों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। ड्रेपर ने कहा, यह अविश्वसनीय है। मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी। मैंने समय के साथ साथ बहुत मेहनत की और मैं यहां खेलने के लिए बहुत आभारी और खुश हूँ। मैं स्वस्थ और बहुत अच्छा महसूस से रहा हूँ।

हॉकी : राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में 36 सदस्यीय दल करेगा अभ्यास

नई दिल्ली, 17 मार्च। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सोमवार से 28 मार्च तक चलने वाले राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में 36 सदस्यीय हॉकी खिलाड़ी अभ्यास करेगा। राष्ट्रीय वार्षिक पुरस्कार समारोह के बाद आज हॉकी इंडिया के निदेश पर भारतीय पुरुष हॉकी के 36 खिलाड़ी बेंगलुरु के राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में अभ्यास के लिए पहुंचे। संभावित टीम में गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक सिंहात पवन, सूरज करकिया और मोहित होनेनहल्ली शाशिकुमार शामिल हैं। डिफेंडरों में जर्मनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुमित, संजय, जुगराज सिंह, अमनदीप लाकड़ा, नीलम संजीव जेस, वरुण कुमार, यशदीप सिवाच को शिविर के लिए बुलाया गया है। इस बीच, मिस्फील्डर राजकुमार पाल, रामशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक रबी, विवेक सागर प्रसाद, नीलकान्त शर्मा, मोहंरिंथेम रबीचंद्र सिंह, मोहम्मद राहील मोसिन, निष्पंक ताल सिंह, राजेंद्र सिंह और पूव्ना सीबी को भी कोर संभावित समूह में रखा गया है। फॉरवर्ड में अमिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, गुरजित सिंह, अगद बीर सिंह, आदित्य अर्जुन लालगे, बांबी सिंह धामी, सुदीप चिरमाको, सेल्बम कार्थी, शिलानंद लाकड़ा, दिलीपत सिंह और उत्तम सिंह को दो सप्ताह चलने वाले शिविर के लिए बुलाया गया है।

हैरी ब्रूक को बैन करने के बीसीसीआई के फैसले पर इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने दिया रिएक्शन

नई दिल्ली, 17 मार्च। इंग्लैंड के स्टार हैरी ब्रूक को पिछले हफ्ते भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आईपीएल से दो साल के लिए बैन कर दिया। इस फैसले के बाद इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने अपना रिएक्शन दिया है। बता दें कि, हैरी ब्रूक ने निजी कारणों का हवाला देते हुए आईपीएल 2025 से हटने का फैसला किया था। 2023 में हैरी ब्रूक ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला था। उसके बाद 2024 के शुरू होने से पहले ही हैरी ब्रूक ने अपना नाम वापस ले लिया। फिर पिछले साल नवंबर में मेगा ऑक्शन में दिल्ली ने उन्हें खरीदा। इंग्लैंड क्रिकेट के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए आईपीएल 2025 से हट गया। बीसीसीआई ने अपने नए नियम के तहत हैरी ब्रूक को बैन कर दिया। हैरी ब्रूक के बैन होने पर इंग्लैंड के खिलाड़ी मोईन अली ने पांडकास्ट बियर्ड विफोर क्रिकेट पर कहा कि, वह बीसीसीआई के प्रतिबंध लगाने के फैसले का समर्थन करते हैं।

केकेआर ने चोटिल उमरान मलिक की जगह चेतन साकरिया को टीम में दी जगह

कोलकाता 17 मार्च। कोलकाता नाइट राइडर्स ने चोटिल तेज गेंदबाज उमरान मलिक की जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज चेतन साकरिया को इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के लिए टीम में शामिल किया है। चोट के कारण उमरान मलिक आईपीएल 2025 से बाहर हो गये हैं। चेतन साकरिया पिछले वर्ष भी केकेआर के दल में थे, लेकिन उन्हें एक भी मैच नहीं खेले का मौका नहीं मिला था। इस बार आईपीएल नीलामी में किसी भी टीम ने उन्हें नहीं खरीदा था। उमरान के चोटिल होने के कारण अब उन्हें केकेआर के लिए खेलने का अवसर मिलेगा।

सिंधु, सेन करेंगे स्विस ओपन में भारतीय दल की अगुवाई



बेसल (स्विट्जरलैंड), 17 मार्च। दो बार की ऑलिंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पुरुष एकल में विश्व के 15वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन मंगलवार से स्विस ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय दल की अगुवाई करेंगे।

विश्व की 16वें नंबर की खिलाड़ी पीवी सिंधु का पहले दौर में महिला एकल में 28वें नंबर की खिलाड़ी मालविका बंसोड़ से संकेत जैकबशेल में मुकाबले से शुरुआत होगी। टूर्नामेंट में

अनुपमा उपाध्याय, आकर्षि कश्यप और रश्मिता रामराज महिला एकल डूँ में आकर्षि कश्यप, रश्मिता रामराज, इशानी बरुआ, अनमोल खरब और तस्मीन मोीरा महिला युगल; ट्रीसा जॉली-गायत्री गोपीचंद, प्रिया को-जेंगबाम-श्रुति मिश्रा, वर्षिणी विश्वनाथ श्री-आरथी सारा सुनील।

मिश्रित युगल: आशिष सूर्या-अमृत प्रमथेश, सतीश करुणाकर-आधा वारियथ, आयुष अग्रवाल-श्रुति मिश्रा।

राजस्थान रॉयल्स ने सवाई मानसिंह स्टेडियम में ओपन ट्रेनिंग सेशन आयोजित किया

जयपुर, 17 मार्च। राजस्थान रॉयल्स ने 17 मार्च को शाम 7:00 बजे से सवाई मानसिंह स्टेडियम में ओपन ट्रेनिंग सेशन के लिए प्रशंसकों को आमंत्रित किया जिसमें सैकड़ों दर्शकों ने अभ्यास सत्र में प्रैक्टिस करए हुए राजस्थान रॉयल के खिलाड़ियों को देखकर तालियां और सीटियां बजाईं। इस ट्रेनिंग सेशन में यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियाज पराग, शिमरोन हेटमायर, जोफा आर्चर और हेड कोच राहुल द्रविड़ जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के साथ एक छोटा अभ्यास मैच हुआ।

राजस्थान के अमित गोदारा का चयन भारत की बीच सॉकर राष्ट्रीय टीम में

जयपुर, 17 मार्च। भारत की बीच सॉकर राष्ट्रीय टीम के 12 सदस्यीय टीम की घोषणा की गई, जो अगले सप्ताह एएफसी बीच सॉकर एशियन कप थाईलैंड 2025 खेलेगी। मलेशिया के मोहम्मद फैजल बिन सूद द्वा प्राशिक्षित भारत को बीच सॉकर एशियन कप के ग्रुप ए में रखा गया है और यह 20 मार्च को मेजबान थाईलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, जिसके बाद वे पटया में कुवैत (22 मार्च) और लेबनान (24 मार्च) का सामना करेंगे। कोचिंग और सहयोगी स्टाफ के साथ 12 सदस्यीय दल 16 मार्च को शाम को राजकोट से पटया के लिए रवाना होगा और 17 मार्च की तड़के अपने गंतव्य पर पहुंचेगा। राष्ट्रीय टीम का शिविर दो चरणों में गुजरात के पोर्बंदर में आयोजित किया गया था, जिसमें 12 राज्यों के 75 खिलाड़ियों को पहले चरण के लिए बुलाया गया था। "हमारे पास क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने का मौका है। बेशक, अन्य टीमों लंबे समय से बीच सॉकर में हैं, और थाईलैंड के मेजबान होने के कारण, यह और भी चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन बीच सॉकर में कुछ भी हो सकता है," 50 वर्षीय फैजल ने भारतीय खिलाड़ियों की उच्च गति से काम करने की क्षमता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "भारतीय खिलाड़ियों के बारे में अच्छी बात यह है कि वे सभी तेज हैं, इसलिए रणनीति बनाना



आसान है, और तकनीकी पहलू बेहतर हो जाते हैं।" "गति और तकनीक हमारे खेल की नींव होगी।" भारत की बीच सॉकर टीम: प्रतीक कंकोकर, राज चौहान, नेहल परब, अमित गोदारा (राज.), श्रीजीत बाबू, लतीश कुनकोलकर, रोहित वाई, मुख्तार उमरुल, मुश्रीर टीकेबी, सतीश नाइक, मोहम्मद अकरम, जयपाल सिंह।

मैं कभी हार नहीं मानता : हार्दिक

नई दिल्ली, 17 मार्च। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने आईपीएल 2025 से पहले उम्मीद जताई है कि मुंबई इंडियंस के फैस का उन्हें प्यार मिलेगा। साथ ही उनका कहना है कि पिछले कुछ महीनों में उनके लिए समय का पहिया पूरी तरह से 360 डिग्री घूम गया, लेकिन वह मुश्किल परिस्थितियों में हार नहीं मानने के अपने जज्बे के कारण मैदान पर डटे रहे। पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाए जाने के बाद हार्दिक पंड्या को दर्शकों की नाराजगी का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने भारत की टी20 वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी की जीत में अहम भूमिका निभाई। आईपीएल 2025 की तैयारी में जुड़े इस ऑलराउंडर को उम्मीद है कि इस बार उन्हें

आसान है, और तकनीकी पहलू बेहतर हो जाते हैं।" "गति और तकनीक हमारे खेल की नींव होगी।" भारत की बीच सॉकर टीम: प्रतीक कंकोकर, राज चौहान, नेहल परब, अमित गोदारा (राज.), श्रीजीत बाबू, लतीश कुनकोलकर, रोहित वाई, मुख्तार उमरुल, मुश्रीर टीकेबी, सतीश नाइक, मोहम्मद अकरम, जयपाल सिंह।

राजस्थान फुटबल संघ के सचिव दिलीप सिंह रोखावत ने बताया कि अमित गोदारा राज्यस्तरीय बीच सॉकर प्रतियोगिता में बेस्ट प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट व राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने थे। अमित अभी राजस्थान पुलिस फुटबल टीम के सदस्य हैं, उनका फुटबल टीम चयन स्पॉट्स कोटे से ही हुआ था।

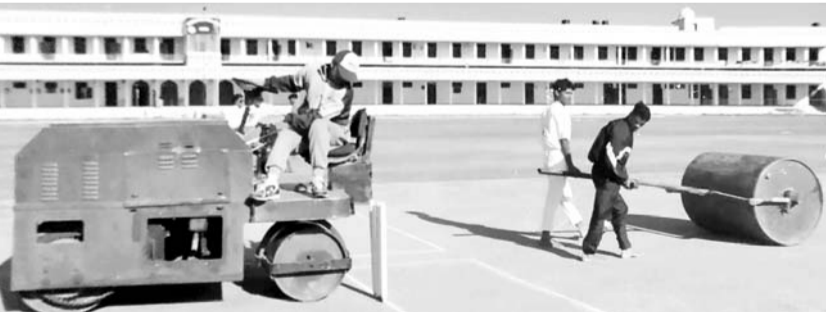


मुंबई इंडियंस के फैस का प्यार मिलेगा। 22 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल के 18वें सीजन से पहले जियो हॉटस्टार से पंड्या ने कहा कि, मैं कभी हार नहीं मानता। मेरे करियर में कुछ ऐसे दौर भी आए जब मेरा ध्यान जीतने के बजाय खेल में बने रहने पर लगा था। उन्होंने कहा कि, मुझे अहसास हुआ कि मेरे साथ जो कुछ भी हो रहा है क्रिकेट हमेशा सच्चा दोस्त बना रहेगा। मैंने खुद का समर्थन किया और जब मेरी कड़ी मेहनत रंग लाई तो ये उससे भी ज्यादा था जिता मैंने सोचा था।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने शिलॉंग लाजोंग एफसी को 4-0 से करारी शिकस्त दी

जयपुर, 17 मार्च। राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने विद्याधर नगर स्टेडियम में शानदार प्रदर्शन करते हुए शिलॉंग लाजोंग एफसी को 4-0 से हरा दिया। इस घमाकेदार जीत के साथ राजस्थान यूनाइटेड एफसी आई-लीग अंक तालिका में 5वें स्थान पर पहुंच गया है, जिससे उनकी शीर्ष चार में जगह बनाने की उम्मीदें और मजबूत हो गई हैं। राजस्थान यूनाइटेड एफसी राहनी जीत की लय को बरकरार रखने के इरादे से 23 मार्च 2025 को शाम 4:30 बजे विद्याधर नगर स्टेडियम, जयपुर में नामधारी एफसी के खिलाफ अपने अगले मुकाबले में उतरेगा। शीर्ष स्थान की दौड़ अब और रोमांचक हो गई है, जिससे हर मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

क्रिकेट कोच एवं पिच क्यूरेटर अब्दुल सईद सोते-सोते सभी को रोता छोड़ विदा हो गए जयपुर की रेगिस्तानी विकेट में हरियाली का रंग भरते थे सईद



जयपुर, 17 मार्च। राजस्थान क्रिकेट में कोच और पिच क्यूरेटर का इतिहास लिखा जाएगा तो बिना अब्दुल सईद का जिक्र किये बगैर इतिहास सृष्टि नहीं हो सकेगा। कठोर अनुशासन के साथ सीने में बेहद नरम दिल लिए क्रिकेटर्स के बीच अपने खुशामिजाज व्यवहार से सईद सबके चहेते बने रहे। अब्दुल सईद का जन्म 25.9.1968 में जयपुर के वरिष्ठ खेल प्रकाशक अब्दुल गनी के घर में हुआ। बचपन से क्रिकेट का शौक रखने वाले सईद ने क्रिकेट की सीढ़ियों पर कदम रखते-रखते, सवाई मानसिंह स्टेडियम के ग्राउंड की उन ऊंचाइयों को छुआ जिसका सपना बचपन से देखा करते थे। एक शावर की लिखी लाइन सईद पर फिट बैठती है, "हेरी तखीर में वो रंग भरा है मैंने कि लोग देखेंगे तुझे और पूछेंगे मुझे"....। क्रिकेटर क्रिकेट ग्राउंड को देखकर अब्दुल सईद के बारे पूछते थे, ओर मिलकर तारीफ किया करते थे।

वया आरसीए एडहॉक कमेटी ने दो-तीन दशक तक आरसीए के क्यूरेटर के पद पर अपनी सेवाएं देने वाले दिवंगत अब्दुल सईद को भुला दिया

वया आरसीए एडहॉक कमेटी ने दो-तीन दशक तक आरसीए के क्यूरेटर के पद पर अपनी सेवाएं देने वाले दिवंगत अब्दुल सईद को भूल गयी है। जिसने अपनी जिन्दगी आरसीए को मरते दम तक दी। 25 मार्च को राजस्थान क्रिकेट संघ पहली बार अपने क्रिकेटर्स के लिए अवॉर्ड समारोह का आयोजन करने जा रहा है। इसमें इस साल के हर आयु वर्ग के बेस्ट क्रिकेटर्स (पुरुष और महिला) को सम्मानित किया जाएगा। ये अवॉर्ड राजस्थान क्रिकेट में अहम योगदान देने वाले खिलाड़ियों के नाम पर दिए जाएंगे। कई बार इसकी पहल हुई लेकिन सभ्य नहीं हो सका। अब आरसीए एडहॉक कमेटी ने इसकी रूपरेखा तैयार कर ली है। इसके अलावा वे लोग इस लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड के हकदार हो सकते हैं जो अब इस दुनिया में नहीं है। वया इनमें दिवंगत क्रिकेट कोच एवं पिच क्यूरेटर अब्दुल सईद का नाम भी शामिल है जिन्होंने दो-तीन दशक तक आरसीए के क्यूरेटर के पद पर अपनी सेवाएं देकर जयपुर के नाम पूरी दुनिया में रोशन किया था।

धोनी जिनके हेलीकॉप्टर शॉट को पंख जयपुर के ही सवाई मानसिंह स्टेडियम में लगे। इसी विकेट पर धोनी ने 183 का स्कोर किया था। भारत क्रिकेट टीम की शान कपिल देव, सुनील गावस्कर, अजहरुद्दीन, नवजीत सिंह सिद्धू, राहुल द्रविड़, यूसुफ पठान, इरफान पठान, विदेशी क्रिकेटर्स में श्रेण खान, रंजित ली, शेन वाटसन, रिकी पॉइंटिंग, स्विंग जादूगर वसीम अकरम, ब्रायन लारा जैसे दिग्गज क्रिकेटर्स ने सईद की बनाई पिच की तारीफ किया करते थे।

हमारी जोड़ी जय-वीरू की जैसी थी : तापोश चटर्जी

सईद के निधन की खबर सुनकर दुख हुआ। वे आरसीए के पिच क्यूरेटर थे और दुनिया के बेस्ट क्यूरेटर में शुमार थे। मैं हाथ जोड़ ईश्वर से दुआ करता हूँ कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। क्यूरेटर, पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी मेरी ओर सईद को जोड़ी जी-वीरू को जोड़ी जैसी थी। मेरे लिए तो सईद छोटा भाई की तरह ही था। सईद के योगदान को जाहिर करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं है।

क्रिकेट पिच क्यूरेटर और कोच अब्दुल सईद का 25 मार्च, 2017, शनिवार की शानदार दिवस का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। सईद के निधन की खबर मिलते ही राजस्थान के क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गई थी। सईद प्रसिद्ध पिच क्यूरेटर थे और काफी लंबे समय से सवाई मानसिंह स्टेडियम की क्रिकेट एकेडमी में खिलाड़ियों को क्रिकेट की बारिकीय सिखा रहे थे। शाम करीब 3-4 बजे के आसपास घर पर ही सोते हुए उन्हें साइलेंट अटैक आ गया और उनका निधन हो गया। सईद की ही देखरेख में राजस्थान की अंडर 19 टीम को काफी प्रतिभावान क्रिकेटर मिले हैं। सईद दो शास्त्री नगर स्थित काब्रिस्तान में दफनाया गया था। सईद अपने पीछे मां- पिताजी, पत्नी, एक बेटा और एक बेटी छोड़ इस दुनिया से खामोशी से सोते-सोते विदा हो गए।

क्रिकेट की पिच मुख्यतः तीन प्रकार की ग्रीन टॉप, डस्टी और डेड पिचों के बारे में बखूबी प्रैक्टिकल नॉलेज थी। ग्रीन टॉप और डस्टी पिच गेंदबाजों की मददगार साबित होती है तो वहीं डेड पिच पर बल्लेबाजों की मीज होती है खूब रन बन सकते हैं। सईद को तीनों प्रकार की पिच को बनाने का हुनर आता था। 14 सितंबर, 2006 को आईसीसी पिच सलाहकार एंडी एटकिंसन ने जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम की पिच और मैदान की स्थिति

‘राजस्थान मंडपम से मिलेगी प्रदेश को नई पहचान, प्रदेश में बढ़ेगा ‘कॉन्फ्रेंस टूरिज्म’

होलिस्टिक अप्रोच के साथ विकसित की जाएं सुविधाएं- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, 17 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की पूर्ति के लिए राज्य सरकार औद्योगिक, पर्यटन एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान मंडपम के माध्यम से व्यापारिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करवायी जाएंगी, ताकि प्रदेश बड़े-बड़े आयोजनों के लिए पहली पसंद बने और यहां कॉन्फ्रेंस टूरिज्म को बढ़ावा मिल सके। शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जयपुर में प्रस्तावित राजस्थान मण्डपम की कार्ययोजना के संबंध में उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान मंडपम में होलिस्टिक अप्रोच के साथ आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं को पुख्ता कार्ययोजना बनाई जाए ताकि यहां पर छोटे से लेकर बड़े प्रकार के आयोजन सुगमता से हो सके।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में प्रस्तावित राजस्थान मण्डपम की कार्ययोजना के संबंध में उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित किया।

मोदी के ‘विकास के साथ विरासत भी’ के संकल्प को ही आधार मानते हुए राजस्थान मण्डपम में प्रदेश के हैरिटेज के साथ हाईटेक सुविधाएं विकसित की जानी चाहिए, जिससे यह स्थल सांस्कृतिक और व्यावसायिक

आयोजनों के साथ ही स्थानीय कला, संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख आकर्षण केंद्र भी बने। बैठक में उन्होंने कन्वेंशन सेंटर, एग्जीक्यूटिव सेंटर, मीटिंग हॉल एवं आगंतुकों के लिए पार्किंग सुविधाओं

■ भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री आवास पर राजस्थान मंडपम के संबंध में उच्चस्तरीय बैठक ली और कहा कि इससे प्रदेश को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में मदद मिलेगी।

को विकसित किए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

बैठक में राजस्थान मंडपम के निर्माण की प्रस्तावित कार्ययोजना के बारे में प्रस्तुतीकरण भी दिया गया। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताम शर्मा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अलोक गुप्ता व रीको के वरिष्ठ अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

तेलंगाना में ओबीसी का आरक्षण 23 प्रतिशत से बढ़कर 42 प्रतिशत हुआ

हैदराबाद, 17 मार्च। ओबीसी समुदाय के लिए तेलंगाना सरकार ने बड़ा एलान किया है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रैवन्त रेड्डी ने कहा कि राज्य में शिक्षा, नौकरी और रोजगार तथा राजनीतिक प्रतिनिधित्व में ओबीसी आबादी को 42 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा, जो अब तक 23 प्रतिशत था।

‘संसद में मंत्रियों ने दिए 1300 आश्वासन, एक भी पूरा नहीं किया’

संसदीय कार्यमंत्री किरण रिज्जु ने कहा लोकसभा में दिए गए 547 व राज्यसभा में दिए गए 764 आश्वासन पूरे नहीं हो सके

■ तेलंगाना के मुख्यमंत्री रैवन्त रेड्डी ने कहा कि राज्य में शिक्षा, नौकरी, रोजगार व राजनीति में ओबीसी समुदायों को 42 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

तेलंगाना के सीएम रैवन्त रेड्डी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि तेलंगाना विधानसभा के नेता और मुख्यमंत्री के रूप में पूरी गंभीरता से घोषणा करता हूँ कि हमारे लोगों के सबसे वैज्ञानिक, कठोर और अधिक प्रयासों के आधार पर हम कह सकते हैं कि तेलंगाना में ओबीसी आबादी 56.36 प्रतिशत है। अब हम शिक्षा, नौकरी, रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में इस समूह के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण तय करने का संकल्प ले रहे हैं।

प्र.मंत्री मोदी ने तुलसी गबाई को महाकुंभ का जल भेंट किया

नई दिल्ली, 17 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार शाम को राष्ट्रीय राजधानी में अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) तुलसी गबाई से मुलाकात की।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें हाल ही में प्रयागराज में संपन्न हुए महाकुंभ से लाया गए पवित्र जल (जल) से भरा एक कलश भेंट किया। तुलसी गबाई ने मोदी को एक माला भेंट की।

■ अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबाई एशिया यात्रा के तहत भारत आई हैं और रायसीना डायलॉग में भाषण के साथ उनकी एशिया यात्रा का समापन होगा।

मैं रायसीना डायलॉग में भाषण देने के साथ होगा, जिसके लिए प्रधानमंत्री ने उन्हें आमंत्रित किया था। रायसीना डायलॉग के 10वें संस्करण का आयोजन विदेश मंत्रालय और ऑक्सब्रिज रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) द्वारा किया जा रहा है।

गबाई ने प्रधानमंत्री मोदी से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी मुलाकात की। इस दौरान राजनाथ सिंह ने प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) की ओर से अमेरिका में भारत विरोधी गतिविधियों को लेकर चिंता जताई।

नयी दिल्ली, 17 मार्च। संसद के दोनों सदन में मंत्रियों द्वारा सदस्यों को उनके प्रश्नों तथा अन्य वक्तव्यों के जवाब में दिये गये कुल आश्वासनों में से 1300 से अधिक अभी भी लंबित हैं और पूरे नहीं किये गये हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिज्जु ने सोमवार को राज्यसभा में पूरक प्रश्नों के जवाब में कहा कि लोकसभा में 547 और राज्यसभा में 764 आश्वासन पूरे नहीं किये जा सके हैं। आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने सवाल पूछते हुए कहा कि वर्ष 2024 में मंत्रियों ने राज्यसभा में सदस्यों को 160 आश्वासन दिये थे, जिनमें से केवल 41 ही पूरे किये गये हैं और 119 अभी भी लंबित हैं।

इसके जवाब में संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल मुरुगन ने कहा कि इस संबंध में सरकार ने वर्ष 2018 में आनलाइन निगरानी प्रणाली शुरू की थी। इसके बाद से इस पर कड़ी नजर रखी जा रही है और सभी आश्वासनों को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से

■ आप नेता संजय सिंह ने बताया 2024 में मंत्रियों ने 160 आश्वासन दिए थे मात्र 41 ही पूरे किए गए हैं 119 अभी भी लंबित हैं।

अब तक दोनों सदन में मंत्रियों द्वारा सदस्यों को लाखों आश्वासन दिये गये हैं और इन्हें पूरा भी किया जा रहा है। उन्होंने आंकड़े देते हुए कहा कि लोकसभा और राज्यसभा दोनों में मंत्रियों द्वारा दिये गये 99 प्रतिशत आश्वासनों को पूरा किया गया है। मुरुगन ने कहा कि कुछ आश्वासनों से संबंधित कार्य ऐसी परियोजनाओं के होते हैं, जिन्हें पूरा होने में समय लगता है। इसके बारे में निरंतर जानकारी हासिल की जाती है और इन्हें जल्द से जल्द पूरा करने की कोशिश की जाती है।

इस पर आम आदमी पार्टी के सदस्य

ने कहा कि मंत्री द्वारा दिये गये आंकड़ों और मंत्रालय की वेबसाइट पर दिये गये आंकड़ों में विरोधाभास है। उन्होंने कहा कि मंत्री वर्ष 2024 से संबंधित आंकड़ों पर स्थिति स्पष्ट नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जवाब में कहा जा रहा है कि 99 प्रतिशत आश्वासन पूरे किये गये हैं, जबकि मंत्रालय की वेबसाइट कह रही है कि संसद के दोनों सदन में 1300 से अधिक आश्वासन पूरे नहीं किये गये हैं।

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिज्जु ने कहा कि लोकसभा में 547 और राज्यसभा में 764 आश्वासन पूरे नहीं किये जा सके हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रियों द्वारा दिये गये आश्वासनों को पूरा करने के लिए तीन महीने का समय होता है। उन्होंने कहा कि इन पर नजर रखने के लिए एक निगरानी प्रणाली भी है और एक समिति भी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि जब सदस्य किसी संबंध में मंत्री या विभागों को कोई पत्र लिखते हैं तो उसका भी जवाब एक महीने में दिया जाना चाहिए।

सीएजी की नियुक्ति सम्बंधी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र को नोटिस दिया

एक जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने यह नोटिस जारी किया है

■ याचिका में सीएजी की नियुक्ति कार्यपालिका द्वारा करने को संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन बताया गया है।

नयी दिल्ली, 17 मार्च। उच्चतम न्यायालय ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की नियुक्ति केवल कार्यपालिका और प्रधानमंत्री द्वारा करने की मौजूदा प्रथा को संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करने का दावा करने वाली जनहित याचिका पर सोमवार को केन्द्र सरकार से जवाब तलब किया।

न्यायमूर्ति सुर्य कांत और न्यायमूर्ति एन कोटेश्वर सिंह की पीठ ने गैर सरकारी संगठन सेंटर फॉर पब्लिक इंटरैस्ट लिटिगेशन की याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। साथ ही पीठ ने इसे इसी मुद्दे पर लंबित अन्य मामलों के साथ जोड़ने का निर्देश दिया।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने यह आदेश पारित किया। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेतृत्व वाले महाराष्ट्र जैसे राज्यों में सीएजी द्वारा ऑडिट को रोका जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के दिनों में सीएजी ने अपनी स्वतंत्रता खो दी है। भूषण ने तर्क दिया कि यहां सवाल संस्था की स्वतंत्रता का है।

पीठ ने उनसे हाल के वर्षों में सीएजी की स्वतंत्रता पर संदेह करने से संबंधित कोई तथ्य रिपोर्ट पर लाने

विश्व टॉप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) अहमदाबाद 27 वें और आईआईएम बैंगलोर 40 वें नम्बर पर है। आईआईटी मद्रास पैट्रोलियम इंजीनियरिंग में 31 वें नम्बर पर है वहीं डबलपर्मेटल स्टडीज में जवाहरलाल नेहरू युनिवर्सिटी (जेएनयू) 29 वें स्थान पर है। क्यू एस वर्ल्ड टॉप रैंकिंग से एक महत्वपूर्ण रुझान नजर आता है कि वो है एशियन युनिवर्सिटीज का उदय। इसमें चीन व सिंगापुर सबसे आगे हैं। भारत ने भी उल्लेखनीय प्रगति की है। इन संस्थाओं ने रिसर्च के क्षेत्र में ज्यादा फोकस कर विश्वस्तर पर अपनी लोकप्रियता बढ़ाई है। हालांकि भारतीय विश्वविद्यालयों को अभी फैकल्टी-विद्याधि अर्जुपात, रिसर्च फंडिंग व वैश्विक दृष्टिकोण के क्षेत्र में समस्याओं का सामना करना पड़ता है जिससे उनकी रैंकिंग प्रभावित होती है।

‘सैन्ट्रल स्कूल...’

(प्रथम पृष्ठ का शेष) भारत के नेता के रूप में भी उभरकर आये हैं, क्योंकि पूरा दक्षिण भारत परिसीमान और भाषा के मुद्दे पर संगठित हो गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने इन दोनों मुद्दों को एक ऐसे रूप में पेश किया है जिससे लगता है कि दक्षिण भारत, उत्तर भारत के “आक्रामक, अडिगल और निरंकुश” रुख का शिकार बन रहा है तथा दक्षिण भारत को उसके उचित अधिकारों तथा फण्ड्स से वंचित किया जा रहा है, जो उसका न्याय सम्मत अधिकार है। दक्षिण भारत का जनसामान्य यह बात पहले ही मानकर चल रहा है कि दक्षिण भारत की आमदनी ज्यादा है तथा वह राष्ट्रीय राजस्व में भी ज्यादा योगदान दे रहा है, लेकिन उसे केन्द्र सरकार से बदले में बहुत राशि मिल रही है। केरल के पूर्व वित्त मंत्री ने इस बिन्दु को इस रूप में सबसे पहले प्रस्तुत किया था, उसके बाद दक्षिण भारत के एक के बाद एक- सभी नेताओं ने जनसामान्य तक यह बात इस रूप में पहुंचाई है।

पीठ ने हालांकि आखिरकार मामले की जांच करने का फैसला किया।

शोक संदेश



अत्यंत दुःख के साथ सूचित कर रहे हैं कि हमारी पूजनीय माता जी

श्रीमती रामपति देवी जी

(प्रधान, पंचायत समिति, मासलपुर, जिला-करौली)

का देवलोक गमन

दिनांक 16 मार्च को हो गया है!

तीये की बैठक

18 मार्च, 2025 (मंगलवार)

निज निवास, बड़ागांव खेड़ला, तहसील - महवा, जिला - दौसा

शोकाकुल परिवार

राजाराम गुर्जर
पुत्र (पूर्व सभापति, करौली)

डॉ. सौम्या गुर्जर
पुत्रवधू (महापौर, नगर निगम ग्रेटर जयपुर)
एवं समस्त परिवारजन

संपर्क 9799908131, 9461585400
8875727341, 9414335672

SCAN FOR THE LOCATION

